RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 258
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शुक्रवार, 12 जनवरी, 2024

ताला खुलवाया, भूमि पूजन की मंजूरी दी, घोषणा-पत्र में जिक्र

कांग्रेस न्योता क्यों ठुकराया?

एजेंसी

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को अब महज 11 दिन ही बचे हैं। 22 जनवरी को राम लला के आगमन के लिए राम नगरी में भव्य तैयारियां की जा रही हैं। पूरे अयोध्या में गलियों, चौराहों से लेकर दीवारों तक को आकर्षक आकृतियों से सुशोभित किया जा रहा है। उधर कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों को निमंत्रण भेजा जा रहा है। इसमें देश के विभिन्न राजनीति दलों के नेताओं को भी न्योता दिया गया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसको लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। जहां कांग्रेस के ही कुछ नेताओं ने फैसले पर असहमति जताई है तो भाजपा का कहना है कि राम विरोध कांग्रेस के चरित्र में ही है। आइए जानते हैं कि राम मंदिर मुद्दे के शुरुआत से कांग्रेस का रुख क्या रहा है? सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का बाद पार्टी की क्या प्रतिक्रिया रही?

राम मंदिर के शिलान्यास पर क्या कहा गया था और अब राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पर क्या फैसला लिया गया है?

अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बाबर के सेनापति मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में राम मंदिर के लिए लड़ाई कानूनी शुरू हुई थी। हालांकि, मंदिर के लिए मुहिम आजादी के बाद तेज हुई। देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। इस घटना के बाद इलाके में कानून व्यवस्था की स्थिति गड़बड़ हो गई थी। 29 दिसंबर 1949 को फैजाबाद की एक अदालत ने बढ़ते सांप्रदायिक तनाव को नियंत्रित करने के लिए इस स्थल को सरकार को सौंप दिया। कुछ ही समय बाद विवादित परिसर में ताला लग गया। जब यह सब कुछ हुआ, उस वक्त देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे।

जब इतिहास के पन्ने पलटते हैं तो राम मंदिर को लेकर देश की सबसे पुरानी पार्टी का रुख विरोधभासी सा प्रतीत होता है। राम जन्मभूमि को लेकर लड़ी जा रही कानूनी लड़ाई को सबसे बड़ी हवा मिली पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में। दरअसल, 1986 में राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने शाह बानो केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। सरकार के इस फैसले से न केवल बुद्धिजीवी वर्ग नाराज हो गया था, बल्कि दक्षिणपंथ के विचार को भी बढ़ावा मिला था। उस वक्त राजनीतिक विश्लेषकों ने महसूस किया कि कांग्रेस मुस्लिम रूढ़िवादिता का पक्ष ले रही है।

इस कठिन सियासी मोड़ पर राजीव गांधी ने विवादित बाबरी मस्जिद परिसर के ताले खोलने को हरी झंडी दे दी। अधिकांश विशेषज्ञों का मानना है कि शाहबानो विवाद से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार के कहने पर अयोध्या में स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से फैजाबाद में जिला न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए और मुख्य न्यायालय से ताला हटाने की बात कही। अंततः फरवरी 1986 में ताले खोले गए और परिसर में पुजारियों को पूजा पाठ की अनुमति दे दी गई। 2019 में राम मंदिर के शिलान्यास के वक्त कांग्रेस के दिग्गज नेता और गांधी परिवार के करीबी कमलनाथ ने कहा था कि राम मंदिर परिसर का ताला कांग्रेस की सरकार ने खुलवाया था।

तारीख थी 6 दिसंबर 1992, इस दिन अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। वहीं, जनवरी 1993 में नरसिम्हा राव वाली केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान और कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

क्या इसका विरोध हो रहा है?

नई दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान के इस फैसले पर पार्टी में ही एक राय नहीं है। गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने इस फैसले की आलोचना की और कहा कि राम मंदिर के मामले में कांग्रेस को राजनीतिक निर्णय नहीं लेना चाहिए। वहीं, एक अन्य कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि यह आत्मघाती फैसला है। भाजपा ने भी कांग्रेस आलाकमान के इस फैसले पर पार्टी को घेरा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस भगवान राम के विरोध पर आ गई है। भारत का इतिहास जब भी करवट लेता है तब कांग्रेस पार्टी उसका बहिष्कार करती है।

1989 में राम मंदिर के शिलान्यास की अनुमति दी

नई दिल्ली। नवंबर 1989 में एक अन्य फैसले में राजीव गांधी ने विश्व हिंदू परिषद को राम मंदिर के शिलान्यास की अनुमति दी। उस वक्त तत्कालीन गृह मंत्री बूटा सिंह को शिलान्यास में भाग लेने के लिए भेजा था। राजीव गांधी सरकार के फैसले के बाद मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस से दूरी बना ली। समुदाय के बड़े नेता जनता दल में शामिल हो गए, जिससे दो बड़े राज्यों में कांग्रेस की करारी हार हुई। 1989 में अविभाजित उत्तर प्रदेश में तो 1990 में अविभाजित बिहार में कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा। वहीं 1989 में ही हुए लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस के चार दशकों से चल रहा सियासी रथ रुक गया और आम चुनाव में उसे हार मिली। 1991 में भाजपा के विमर्शों को ध्यान में रखते हुए लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के घोषणा-पत्र में राम मंदिर का उल्लेख किया गया। इसमें कहा गया कि पार्टी बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किए बिना मंदिर के निर्माण के पक्ष में है। एक साल बाद कारसेवकों ने विवादित ढांचा ढहा दिया और उस वक्त देश में पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी।

एक नज़र

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले की हाईकोर्ट में हुई सुनवाई, रिटायर्ड जज की अगुवाई में सर्वे की मांग

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में सर्वे की मांग की गई। कहा गया कि सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में दो अधिवक्ताओं को भी रख जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में सर्वे की मांग की गई। कहा गया कि सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में दो अधिवक्ताओं को भी रख जाए। मौके पर ईदगाह मस्जिद पक्ष के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। कोर्ट ने भगवान श्रीकृष्ण का पक्ष सुनने के बाद मामले में दाखिल 18 वादों में बारी-बारी से सुनवाई की।

राम मंदिर निर्माण को राजनीति का केंद्रीय मुद्दा बनाने में आडवाणी का था अहम योगदान

नई दिल्ली। राम मंदिर निर्माण को राजनीति का केंद्रीय मुद्दा बनाने में लालकृष्ण आडवाणी ने अहम भूमिका अदा की। वह आडवाणी ही थे जिन्होंने विहिप की ओर से शुरू किए गए आंदोलन को राजनीतिक आंदोलन बनाया। सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा निकाल कर इस आंदोलन को राजनीतिक मुद्दा बनाया। इसी आंदोलन की बदौलत भाजपा की ताकत बढ़ाई। विवादस्पद ढांचा विध्वंस मामले में आरोपी बनाए गए थे। वर्तमान में आडवाणी सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

दो नाबालिक बच्चियों के साथ गैंगरेप, एक की मौत

नई दिल्ली। परिजनों का आरोप है कि जब यह बच्चियों गायब हुई थीं तब उन्होंने शिकायत के लिए पुलिस स्टेशन का रुख किया था। लेकिन उन्हें भगा दिया गया था। हालांकि, पूरे मामले को लेकर भाजपा नीतीश कुमार की सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गई है।

लोकसभा चुनाव में ताल ठोकने के लिए मैदान उतरे संघ-भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा के दिग्गज पदाधिकारियों गुरुवार को अहम बैठक करने जा रहे हैं। राजधानी भोपाल के पास सिहोर में हो रही इस बैठक में आगामी बड़े फैसलों की जमीन तैयार होगी। साथ ही प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से एक दर्जन से अधिक सीटों पर नए चेहरे उतारने को लेकर मंथन किया जाएगा। सिहारे के एक रिसोर्ट में हो रही इस बैठक में कई सत्रों में चर्चा होगी। इसमें संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और भोपाल के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी शामिल होंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के अलावा वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव और कोर ग्रुप के कुछ सदस्य भी शामिल हो सकते है। मीटिंग में एमपी विधानसभा चुनाव की तर्ज पर लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों पर चर्चा कर रणनीति बनाई जाएंगी। संघ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान और उसके बाद संघ और भाजपा को जो फीडबैक मैदानी स्तर से मिला है इसी को ध्यान में रखते हुए 2023 की रणनीति बनाई जाएगी। जीत हासिल करने के लिए सत्ता और संगठन के पदाधिकारियों को नए सिरे से जिम्मेदारी और कार्यक्रम सौंपे जाएंगे। मार्च के शुरुआत में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लग सकती है। इसे देखते हुए सभी अभी से तैयारियों में जुटने के निर्देश जाएंगे। सूत्र बताते हैं कि बैठक में लोकसभा की उन सीटों पर भी चर्चा होगी, जहां सत्ता–संगठन के नेताओं से संबंधित क्षेत्रों के जिताऊ प्रत्याशियों का फीडबैक मांगा गया है। भाजपा हाईकमान ने 7 सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा था। इसमें से 5 सांसद चुनाव जीत चुके हैं। मंडला और सतना सांसद विधानसभा चुनाव में पराजित हो गए हैं। इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि इस बार सातों सीटों पर नए चेहरे सामने आएंगे। इनके अलावा करीब आधा दर्जन संसदीय क्षेत्र भी हैं, जहां बदलाव संभावित माना जा रहा है। इनमें भोपाल, सागर, मंदसौर, रीवा और राजगढ़ संसदीय क्षेत्र भी हो सकते हैं।

एक देश, एक चुनाव पर संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफः ममता बनर्जी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की चीफ और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक देश-एक चुनाव को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक देश एक चुनाव को लेकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति को पत्र लिखा है। इस पत्र में ममता बनर्जी ने एक देश-एक चुनाव को लेकर असहमति जताई और लिखा कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना भारत की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है। पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा कि साल 1952 में पहले आम चुनाव केंद्र के साथ राज्य स्तर पर भी हुए थे। कुछ साल तक ऐसे ही चला, लेकिन फिर यह सह अस्तित्व टूट गया। मुझे दुख है कि मैं इस एक देश-एक चुनाव के कॉन्सेप्ट के साथ सहमत नहीं हो सकती। हम आपके प्रस्ताव से असहमत हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम के अनुसार, वेस्टमिंस्टर सिस्टम में संघीय और प्रदेश स्तर के चुनाव अलग-अलग होना प्रमुख विशेषता है, जिसे बदला नहीं जाना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए भूकंप के झटके

रिक्टर स्केल पर 6.1 रही तीव्रता

एजेंसी

दिल्ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.1 रही। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर था। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके का अहसास होते ही लोग घरों से बाहर के लिए दौड़े। ऑफिसों में काम कर रहे लोग भी कामकाज छोड़कर इमारतों से बाहर आ गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.1 रही। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर था। फिलहाल कहीं से भी जान-माल की हानि की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर समेत जम्मू-कश्मीर के पूंछ इलाके में भी महसूस हुए।

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

क्या हत्या के इरादे से ही गोवा आई थी सूचना?

तीन की बजाय 30000 किराया चुकाया

एजेंसी

पणजी। गोवा में स्टार्टअप कंपनी की सीईओ द्वारा अपने बच्चे की हत्या करने के मामले में मिले सबूतों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। इन सबको देखकर यह भी लग रहा है कि सूचना हत्या की फुलप्रूफ प्लानिंग बनाकर गोवा आई थी। स्टार्टअप कंपनी माइंडफुल एआई की सीईओ सूचना सेठ पर अपने चार साल के बेटे की हत्या का आरोप लगा है। फिलहाल वह पुलिस की हिरासत में हैं। इस बीच, सामने आया है कि सूचना सेठ ने गोवा से बेंगलुरू जाने के लिए कैब के लिए 30,000 रूपये का भुगतान किया था। यह खुलासा उस सर्विस अपार्टमेंट के मैनेजर द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत में हुआ है, जहां आरोपी महिला ठहरी थी। इन सब तथ्यों को देखने से यह पता लगता है कि हत्यारी मां ने अपने बेटे की हत्या के लिए पहले से ही योजना बना रखी थी और वह पूरी तैयारियों से गोवा आई थी।

सोल बनियान ग्रांडे सर्विस्ड अपार्टमेंट के मैनेजर गगन गंभीर ने अपनी शिकायत में कहा है कि सूचना सेठ ने यह बात छिपाने के लिए कि वह अपने बेटे का शव बैग में भरकर ले जा रही है, कैब से जाने का निर्णय लिया था और संभवतः वह पहले से ही ये योजना बनाकर आई थी। इसीलिए सूचना गोवा से बेंगलुरू जाने के लिए कैब के लिए 30,000 रुपये देने को तैयार हो गई थी। पुलिस के पास दर्ज कराई गई शिकायत में यह भी बताया गया है कि जब सूचना चेकआउट कर रही थी तब उसने अपने लिए कैब बुक करने को कहा था। इस पर सर्विस अपार्टमेंट के स्टॉफ ने उससे फ्लाइट लेने का विकल्प भी दिया था। विभिन्न फ्लाइट बुकिंग वेबसाइट्स को देखें तो यह पता चलता है कि गोवा से बेंगलुरु के लिए अखिरी समय में भी अगर टिकट कराया जाए तो प्रति यात्री 2,600 और 3,000 रुपये के बीच में टिकट मिल जाते हैं। बावजूद इसके वह ज्यादा रुपये खर्च कर कैब से जाने की जिद पर अड़ी रही। बाद में उसके अनुरोध पर एक इनोवा क्रिस्टा को बुक किया गया था।

सर्विस अपार्टमेंट के मैनेजर ने यह भी कहा कि सूचना सेठ ने 6 जनवरी से 10 जनवरी तक कमरा बुक किया था। इसके लिए उसने पहले ही भुगतान कर दिया था, लेकिन 8 जनवरी को सुबह 12.30 बजे ही उसने चेक आउट कर लिया। मैनेजर गंभीर ने यह भी कहा कि सूचना सेठ ने सात जनवरी को शाम 4 बजे के आसपास रिसेप्शन पर फोन करके एक विशेष ब्रांड के कफ सिरप की दो बोतलें मांगी थी। जो स्टॉफ ने उन्हें दी। स्टाफ ने बताया कि सूचना ने कहा था कि बेटे को बहुत खांसी हो रही है। इसके पांच घंटे बाद रात 9.10 बजे के आसपास सेठ ने स्टाफ को बताया कि उसे बेंगलुरु में कुछ जरूरी काम है। इसके लिए उसने कैब बुक करने को कहा। अब पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या सेठ ने अपने बेटे को कफ सिरप के जरिए नशीला पदार्थ दिया और फिर तकिये से उसका मुंह दबा दिया।

बता दें कि मृतक बच्चे का पोस्टमार्टम कर्नाटक हिरियुर जिला अस्पताल में किया गया। अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमार नाइक ने बताया कि पोस्टमार्टम के वक्त रिगॉर मोर्टिस (मरने के बाद मांसपेशियों की जकड़न) खत्म हो चुकी थी। सामने आया है कि तकिया या किसी दूसरे भारी कपड़े की मदद से गला घोंटकर बच्चे की हत्या की गई थी। मामले में जानकारी के बाद कुछ पुलिस अधिकारियों ने सोल बनयान ग्रांडे का दौरा किया था। जहां कमरा 404 के निरीक्षण के दौरान लिविंग रूम, बेडरूम और बाथरूम में खून के धब्बे मिले। जब सूचना से इस बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि उस समय उसे मासिक धर्म की अवधि से गुजर रही थी और वह उसी के खून के धब्बे थे। बता दें कि सूचना सेठ ने हत्या को अंजाम देकर आत्महत्या की भी कोशिश की थी। पुलिस ने कहा कि सर्विस अपार्टमेंट में एक तौलिये पर खून के धब्बे पाए गए। यह धब्बे तब पड़े जब वह हत्या के बाद आत्महत्या का प्रयास कर रही थी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए असम सरकार ने नहीं दी रात्रि विश्राम की इजाजत

एजेंसी

गुवाहाटी। कांग्रेस ने आरोप लगाया भाजपा हमारे मार्च करने के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन कर रही है, जबकि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम भी नहीं है। कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि असम की सरकार ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को दो जिलों में रात्रि विश्राम की इजाजत नहीं दी है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम में विपक्ष के नेता देबब्रता सैकिया ने बताया कि पार्टी अब यात्रा के दौरान रात्रि विश्राम के लिए वैकल्पिक जगह की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए निजी प्रॉपर्टी में रात्रि विश्राम की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है, जहां राहुल गांधी समेत पार्टी के अन्य नेता रात्रि विश्राम कर सकेंगे। सैकिया ने कहा कि हमने धेमाजी जिले में गोगामुख में स्कूल के मैदान पर रात्रि विश्राम के लिए अपने कंटेनर वाहनों को पार्क करने की इजाजत मांगी थी। शुरुआत में इजाजत दे दी गई थी लेकिन अंतिम समय में इस मंजूरी को वापस ले लिया गया। इसी तरह जोरहाट में एक कॉलेज के खेल मैदान पर रात्रि विश्राम की मांग की गई थी, लेकिन सरकार ने वहां भी इजाजत नहीं दी। भाजपा हमारे मार्च करने के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन कर रही है, जबकि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम भी नहीं है। अब हम लोगों और प्राइवेट फर्मों से मदद मांग रहे हैं ताकि हम रात्रि विश्राम के लिए उनकी जगह का इस्तेमाल कर सकें। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी से मणिपुर की राजधानी इंफाल से शुरू होनी है। वहीं यात्रा का समापन 20 मार्च को मुंबई में होगा। असम में 18-25 जनवरी के बीच भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकलेगी। सैकिया ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी ने भारत की आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी, वह अब देश पर शासन कर रही है। वह नहीं चाहते कि लोगों की समस्याएं उजागर हो। फासीवादी और अलोकतांत्रिक भाजपा के शासन में आजादी खतरे में है।

सौंदर्यकरण कार्य बाबा साहब के बताए और दिखाई दिशा का परिणाम है: पुष्पा देवी अध्यक्ष हापुड

❖ डॉ0 भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा के सौंदर्याकरण कार्य का पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी ने किया शिलान्यास।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। शहर के मेरठ तिराहे पर स्थित बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा के सौंदर्याकरण के कार्य का शिलान्यास नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बृहस्पतिवार को कैंडल जलाकर किया तो वही प्रतिमा के सौंदर्यकरण की लागत करीब 8.5 लाख रुपए बतायी गई है। पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी ने कहा कि सौंदर्यकरण कार्य बाबा साहब के बताए और दिखाई दिशा का परिणाम है लोगों को जागरूक होकर अपने समाज के लिए विकास हेतु वचनबद्ध होना चाहिए। प्रतिमा स्थल के आसपास सौंदर्गीकरण का काम संपन्न हो जाने के बाद यह स्थल और आकर्षक हो जाएगा। साथ ही प्रतिमा स्थल की दुर्दशा को जल्द दूर किया जाएगा। प्रतिमा के आसपास की जमीन को समतल कराकर वहां हरे भरे पेड़-पौधे लगाए जाएंगे। प्रतिमा स्थल को पार्कनुमा बनाया जाएगा, जिससे उसकी सुंदरता बढ़ सके। तो वही हापुड़ नगर पालिका परिषद के गणेशपुरा वॉर्ड 9 के सभासद विकास दयाल द्वारा रखे गए प्रस्ताव को मान्य बोर्ड ने पास करने और शिलान्यास पर मान्य अध्यक्ष पुष्पा देवी, अधिशासी अधिकारी सौरभ नाथ सहित पूरे नगर पालिका परिषद के मान्य सभासदों, कर्मचारियों और मान्य पत्रकारों के साथ जनता को धन्यवाद कहा। इस मौके पर डॉ0 विनोद कार्तिक, के पी सिंह, हीरा लाल केन, अशोक कुमार, महेश कुमार टायर वाले, सुनील मंत्री, नितिन कुमार, धर्मेन्द्र, सागर प्रधान, राजकुमार सागर, धर्मेंद्र कुमार, दीपक, कैलाश कुमार आदि मौजूद रहें।

भाकियू टिकैत के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य सहारा नई दिल्ली में हुए सम्मानित

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। हापुड़ निवासी भारतीय किसान टिकैत यूनियन के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य सहारा युवा रत्न पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं आपको बता दे लाल बहादुर शास्त्री की पुण्य तिथि पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित स्वामी विवेकानन्द एवं आज का भारत कार्यक्रम में राजनीति की पाठशाला, मानसिंह फाउंडेशन, आशा प्रतिष्ठा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा युवा रत्न पुरस्कार समारोह में उत्तर प्रदेश से भारतीय किसान यूनियन टिकैत के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य सिंह सहारा को युवा रत्न पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र आदर्श शास्त्री ने कहा कि बहुत ही कम समय में एकलव्य सिंह सहारा उत्तर प्रदेश में अपने कार्य से आगे आये हैं जिस पर संरक्षकों ने राजनीति की पाठशाला लंबे समय से ध्यान दे रही है। हम उन पर नजर रख रहे हैं और हमें उम्मीद है कि एकलव्य हमेशा की तरह देश भर में युवाओं की आवाज उठाते रहेंगे।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से दो बदमाश घायल अवस्था में हुए गिरफ्तार

❖ करीब पांच दिन पूर्व लूट करने वाले एक लुटेरे बदमाशों के पैर में भी लगी गोली।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। के गढ़मुक्तेश्वर पुलिस और बदमाशों के बीच देर रात में चैकिंग के दौरान मुठभेड़ हुई है तो वही जबाबी कारवाई मे पुलिस के द्वारा फायर करने के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हुए हैं साथ ही अनंधेरा का फ़ायदा उठाकर दो बदमाश भागने में कामयाब रहे और पुलिस द्वारा घायल बदमाशों को उपचार हेतु अस्पताल भेज दिया गया है तो वहीं गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्राधिकारी आशुतोष शिवम ने बताया कि थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की चेकिंग के दौरान बदमाशों से हुई मुठभेड़ में जवाबी कार्यवाही में 2 बदमाश विक्की पुत्र मलखान व आजाद पुत्र दिलीप दोनो निवासी मोहल्ला चटाई वाला कस्बा व थाना गढ़मुक्तेश्वर तथा गिरफ्तार हुए हैं और इन बदमाशों के2 अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गये हैं जिनकी गिरफ्तारी हेतु कॉम्बिंग की जा रही है। जिनके कब्जे से लूट की घटना से संबंधित 2200 रुपये नकदी, अवैध असलहा मय जिंदा व खोखा कारतूस व एक स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई है गिरफ्तार बदमाश शातिर किस्म का अपराधी हैं, जो करीब 5 दिन पूर्व थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रांतर्गत हुई लूट की घटना में वांछित थे। गिरफ्तार बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य जनपदों/थानों से की जा रही है। घायल बदमाशों को उपचार हेतु अस्पताल भिजवा दिया गया है एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एक नज़र

आरटीओ अधिकारी के द्वारा नियम विरुद्ध वाहनों पर की गई कार्रवाई

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी पन्ना मोड़ तिराहा के पास आरटीओ अधिकारी के द्वारा नियम विरुद्ध चल रहे वाहनों की चेकिंग की गई, जिसमें बस ट्रक इत्यादि सभी वाहनों की पूर्ण रूप से चेकिंग हुई और जरूरी काग जात जीपीएस इमरजेंसी गेट अग्निशमन यंत्र आदि सभी जरूरी व्यवस्थाओं की चेकिंग की गई जिसमें अभी तक 20 बसो की चेकिंग की गई है जिसमें पांच बसों पूर्णत नियम विरुद्ध पाए जाने पर चालानी कार्रवाई हुई एवं हिदायत दी गई।

जिलाधिकारी ने जनपद हापुड में साप्ताहिक बंदी के जारी किए आदेश

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा के आदेश पर जनपद में साप्ताहिक बाज़ार बंदी के दिन निश्चित किये गए। नियमों का उल्लंघन करने पर श्रम विभाग कानूनी कार्रवाई करेगा। इस नियम के तहत पूर्व की तरह हापुड़ का बाजार रविवार,पिलखुवा का बाजार सोमवार,गढ़ का बाजार बुधवार व बाबूगढ़ का बाजार शुक्रवार को बंद रहेगा और किसी भी प्रतिष्ठान को रात्रि 11:00 बजे के बाद नहीं खुलने की चेतावनी भी दी गई है साथ ही किसी कर्मचारियों के किसी भी दिन 8 घंटे से अधिक और किसी भी सप्ताह में 48 घंटे से अधिक कार्य करने की अपेक्षा नही की जाएगी।

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार के लिए महर्षि कश्यप निषाद युवा जागृति संस्था की मासिक बैठक आयोजित

महीने के पहले सप्ताह में की जाएगी बैठक: अशोक कश्यप

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। बृहस्पतिवार को महर्षि कश्यप निषाद युवा जागृति संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा संस्था के अध्यक्ष यशपाल सिंह कश्यप के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी पदाधिकारी ने अपने-अपने विचार रखें तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की वही संस्था के अध्यक्ष यशपाल सिंह कश्यप ने कहा जल्द ही सभी पदाधिकारी को उनकी जिम्मेदारियां दे दी जाएगी और सभी को मिलकर साथ चलना है वहीं पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट विनीत कश्यप ने कहा सभी के सहयोग से संस्था आगे चल पाएगी और हर महीने की बैठक महीने के पहले सप्ताह में की जाएगी इस अवसर पर विनीत कश्यप, एडवोकेट पवन कश्यप, डॉक्टर हरीश अशोक कश्यप ,अनिल कश्यप, राजेश्वर कश्यप, डॉक्टर अनुज कश्यप, राधेश्याम मदन मस्ताना व दीपक कश्यप पत्रकार आदि मौजूद रहे।

डॉ0 काउंट सीजर मैटी का जन्मदिन बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। कुचेसर रोड चोपला पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉक्टर काउंट सीजर मैटी का जन्मदिन बडे ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक, डॉक्टर प्रेमवीर सिंह सैनी ने कहा कि डॉक्टर काउंट सीजर मैटी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक का आविष्कार कर कम रिमेडी द्वारा गंभीर बीमारियों का इलाज बहुत ही सरल तरीके से करना सिखाया। उन्होंने पौधों की ऊर्जा के द्वारा मरीजों का इलाज करना सिखाया। साथ ही आज इस पैथी को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास मनीष पाटीदार व उनकी फैमिली कर रही है। स्वास्थ्य लाभ देने वाली यह पंचम चिकित्सा पद्धति है जिसके माध्यम से मरीजों को अत्यधिक लाभ मिल रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि डॉक्टर काउन्ट सीजर मैटी द्वारा जो रास्ता दिखाया गया है उस पर चलकर जनमानस को स्वास्थ्य लाभ देने का कार्य इस पेथी द्वारा कर रहे हैं भविष्य में यह पद्धति प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी साइड इफेक्ट के लाभ देगी इसका किसी भी प्रकार से कोई साइड इफेक्ट नहीं है और यह लेनी में भी आसान है । आज लोगों का रुझान इस पद्धति की तरफ हो रहा है। इस अवसर पर डॉ मुकेश सैनी, डॉ विकास त्यागी, डॉ जितेंद्र गुर्जर, डॉ अनिल सिद्ध, डॉ राजीव राणा, डॉक्टर मुकेश शर्मा, स्नेहा सैनी, गौरव व नीरज आदि उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी ने अजय रावत को बनाया विधानसभा अध्यक्ष

❖ महोना के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं।

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

इटौंजा लखनऊ। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष के अनुमोदन उपरांत लखनऊ जिले की चारों विधानसभा के अध्यक्ष मनोनीत होने पर उन्हें नगर पंचायत महोना के पूर्व चेरमैन एन.इशरत बेग सहित सपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। सपा के जिला नेतृत्व द्वारा बक्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष अजय रावत को मनोनीत करने पर नगर पंचायत महोना के पूर्व चेयरमैन एन.इशरत बेग ने बधाई देते हुए कहा की समाजवादी पार्टी के जमीनी निर्धन एवं दलित कार्यकर्ता को विधानसभा अध्यक्ष बनाकर यह सिद्ध कर दिया है कि वह सभी वर्गों का सम्मान करना जानती है उन्होंने आशा व्यक्ति की अजय रावत के नेतृत्व में विधानसभा में समाजवादी पार्टी को और मजबूती प्रदान होगी। नगर पंचायत महोना के सभासद फूल चंद्र रावत, खुर्शीद अहमद, सेक्टर प्रभारी सुहैल अहमद एडवोकेट, जिला पंचायत सदस्य महेश रावत, बूथ अध्यक्ष रिजवान, आरिफ, डॉ संजय यादव, सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष इकबाल अहमद, अफजल बेग, प्रदीप मिश्रा, राकेश रावत, मुन्ना कुरैशी, पूर्व सभासद शफीक बेग सहित क्षेत्र के सैकड़ों सपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है।

3 अन्तर्राज्जीय वाहन चोरों से गाजियाबाद, हापुड़ व दिल्ली से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिल सहित उपकरण बरामद

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। थाना पिलखुवा के उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार व उप निरीक्षक बनी सिंह ने सिखेड़ा बॉम्बे के पास से चेकिंग के दौरान अन्तर्राज्जीय वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर दो पहिया वाहन चोर दिलशाद उर्फ दिल्लू निवासी पबला रोड आसरा आवास विकास कॉलोनी, जीशान निवासी घास मंडी के एम एस स्कूल व आसिफ निवासी खेड़ा थाना पिलखुवा को गिरफ्तार किया है। वहीं क्षेत्राधिकार पिलखुवा ने बताया कि पिलखुवा पुलिस ने अन्तर्राज्जीय वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है जिनमें से गिरफ्तार अभियुक्त आसिफ थाना धौलाना क्षेत्र में बाइक रिपेयरिंग की दुकान करता है जिसकी आड़ में वह चोरी की बाइकों के पार्टसों को बेचता था तथा रिपेयरिंग को आई बाइकों में इस्तेमाल करता था। जिनके कब्जे/निशादेही से जनपद गाजियाबाद, हापुड़ व दिल्ली से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिल, एक चैसिस (मो0सा0), एवं भारी मात्रा में मोटरसाइकिलों के पार्टस, मोटरसाइकिल खोलने/काटने के उपकरण व अवैध असलहा बरामद हुआ है उनके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई है

अवैध शराब मिलने पर की गयी कार्यवाही

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। जनपद में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप दुबे के नेतृत्व में आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना-पिहानी के ग्राम रामसिंह पुरवा, बगौछा एवं कपूरापुर में दबिश की कार्रवाई की गई । दबिश के दौरान सघन तलाशी में लगभग 75 लीटर अवैध कच्ची शराब, एवं लगभग 250 किलोग्राम लहन बरामद हुई शराब को कब्जे में लेते हुए लहन को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया, तथा आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत 04 अभियोग पंजीकृत किया गया ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिया कि आगामी सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियां जल्द पूरी की जाएं। कैटर्स व स्थान चिन्हीकरण का कार्य जल्द कराया जाए। आवेदकों को ससमय सूचित कर दिया जाए। दंपति को दिये जाने उपहार में मानक का पूरा ध्यान रखा जाए। सामूहिक योजना के अंतर्गत लगातार आवेदन लिए जाएं। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में किसी स्तर पर लापरवाही न की जाए। अभ्युदय योजना में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाए। अभ्युदय योजना में फैकल्टी को नियमानुसार भुगतान कराया जाए। दिव्यांगजन कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि अवशेष दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड देने के कार्य मे तेजी लायी जाए। पात्र दिव्यांगों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि शादी अनुदान योजना के अंतर्गत नियमानुसार पात्रों को लाभान्वित किया जाए। प्राप्त आवेदनों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। लंबित प्रकरणों को लेकर उन्होंने पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी से नाराजगी जताई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत यातायात पुलिस व नेहरू युवा केंद्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। मेरठ तिराहे के पास गुरुद्वारा के प्रांगण में गुरुवार को नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में यातायात पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकरीबन 20 बच्चों ने बड चढकर हिस्सा लेकर यातायात नियमों के पालन करने का संकल्प लिया तो वहीं यातायात पुलिस टीएसआई ओमकार शेरावत व नरेंद्र कुमार उपस्थित रहे तथा ओंमकार शेरावत ने बच्चों को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत समझाते हुए कहा कि हर बच्चे को वाहन चलाते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए तथा सरकार के आदेश अनुसार 18 वर्ष की उम्र पार कर चुके बच्चों को लाइसेंस बनवाकर वाहन चलाने के आदेश दिए गए हैं साथ ही दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का सदैव प्रयोग करना चाहिए व शीत लहर व कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा होने के कारण वाहन को धीमी गति से चलना चाहिए जिससे दुर्घटना होने का काम खतरा रहता है और रात के अंधेरे में वाहन चलाते समय सदैव लाइट का उपयोग करना चाहिए व कभी भी सड़क पर रॉन्ग साइड वाहन नहीं चलना चाहिए। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत हापुड में 12 जनवरी से 17 जनवरी तक चलाया जाएगा जिससे लोगों को यातायात नियमों के पालन करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

हिन्दू नाबालिग लड़की को लेकर फरार चल रहे आरोपी के घर पर दी गई दबिश

नगर पंचायत की रोड पर बांस से बने टटरा डालकर किया गया अतिक्रमण पर की गई कार्यवाही।

दअचीवर टाइम्स रमेश चंद

लखीमपुर खीरी । ओयल खीरी चौकी क्षेत्र में पिछले नौ दिनों से पुलिस को गुमराहकर कस्बे की रहने वाली हिन्दू नाबालिग लडकी को लेकर फरार चल रहे आरोपी आदिल के घर नगर पंचायत व खीरी पुलिस टीम के साथ पहुँचकर दबंगई के चलते किया गया नगर पंचायत की रोड पर बांस से बने टटरा डालकर किया गया अतिक्रमण पर की गई कार्यवाही आरोपीआदिल के परिजनों को सख्त हिदायत देकर दिया गया 24 घंटे में हाजिर होने का अल्टीमेटम नवागत थाना खीरी एसएचओ अजीत कुमार,नवागत चौकी इंचार्ज लल्ला गोस्वामी एसआई विनोद सिंह ने दल-बल के साथ कस्बे के सैकडों की संख्या में देखने वालों का लगा तांता।

सदर विधायक द्वारा कंबल पाकर आशा बहनों के चेहरे पर दिखाई दी खुशी

जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे मशीन विजयपाल आढ़ती विधायक ने कराई उपलब्ध

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जिला अस्पताल में विधायक विजयपाल आढ़ती ने शीतलहर और भीषण सर्दी के चलते आशाओं को कंबल वितरण किये तो वही विधायक ने कहा कि शीतलहर और भीषण सर्दी में आशा बहनों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसको लेकर आज तीन सौ आशाओं को कंबल का वितरण किया। तो वही आशाओ बहनों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। आपको बता दे भीषण सर्दी के कारण आम आदमी के साथ-साथ पशु पक्षी परेशान हैं। सर्दी ने जन जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। सुबह और शाम ठंड अधिक होने के कारण लोग घरों में कैद होने को परेशान हैं। एसे में स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाली विजयपाल आढ़ती ने कहा कि सर्दी में सभी परेशान हैं। ऐसे में आशा करीब 300 आशा बहनों को विधायक विजयपाल आढ़ती ने कंबलों का वितरण सीएचसी में जाकर किया। कंबल वितरण को लेकर आशा बहनों के चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही थी। विधायक सदर बहनें भीषण सर्दी में भी घर घर जाकर कार्य कर रही है। सर्दी में आशा बहनों को परेशानी न हो इसे ध्यान में रखते हुए कंबलों का वितरण किया गया है काफी समय से वह प्रयास कर रहे थे साथ ही विधायक ने बता कि हापुड़ के अंदर तीन और नयी मशीनों के लिए जिसमें से दो अल्ट्रासाउंड की मशीन हैं एक एक्स-रे की मशीन है जिसमें एक अल्ट्रासाउंड की मशीन सीएचसी में आ चुकी है और दो मशीन अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे की मशीन 20 तारीख तक जिला अस्पताल पर लग जाएगी और सभी को उन मशीनों का भरपूर लाभ मिलेगा और समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधित सभी बातों को ध्यान में रखते हुए योगी का भरपूर सहयोग रहता है।

अभूतपूर्व होगा श्रीराम का स्वागतः सीएम

सीएम के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में चलेगा स्वच्छता महाअभियान

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मकर संक्रांति के दिन अभियान की शुरुआत करेंगे। यह अभियान प्रदेश के प्रत्येक गांव व नगर में चलाया जाएगा।

जिस प्रकार प्रतिवर्ष दीपावली से पहले हम साफ सफाई और रंग रोगन के बाद अपने अपने घरों को आकर्षक झालरों और दीपों से सजाते हैं, ठीक उसी तर्ज पर योगी सरकार 22 जनवरी से पहले पूरे प्रदेश को चमकाने, सजाने और संवारने जा रही है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मकर संक्रांति से इस महाअभियान की शुरुआत करेंगे। सीएम योगी अयोध्या से स्वच्छता अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके बाद प्रदेश के हर गांव, हर नगर और प्रत्येक मोहल्ले में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। नगर विकास और

पंचायती राज विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अयोध्या में ना केवल मुख्य मार्ग बल्कि रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट से मंदिर तक के मार्ग पर गंदगी और धूल को पूरी तरह से साफ करने के निर्देश हैं। इसके अलावा अयोध्या की प्रत्येक नालियों की सफाई, ड्रेनेज और यूटिलिटी डस्ट की सफाई के साथ ही बड़े पैमाने पर सफाई कर्मियों की टीम को लगाने के भी निर्देश हैं। इसमें 3800 पुराने और 1500 नये सफाई कर्मियों की तैनाती की जानी है। वहीं खाद्य विभाग को निर्देश दिये गये हैं कि अयोध्या के सभी पेट्रोल पंप और ग्रीन कॉरीडोर पर मौजूद शौचालयों की रेगुलर जांच कर उनकी स्वच्छता सुनिश्चित की जाए

नगर विकास और पंचायती राज विभाग के लिए निर्देश जारी

लखनऊ। अयोध्या में होने जा रहे भव्य मंदिर के उद्घाटन और प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की ओर से नगर विकास विभाग और पंचायती राज विभाग के लिए निर्देश जारी किये गये हैं। 14 जनवरी से शुरू होने जा रहे स्वच्छता के महाअभियान की कमान खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संभालेंगे। इसके बाद अगले 9 दिन तक प्रदेश के हर हिस्से में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यही नहीं प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालयों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि विशेष सफाई अभियान की कमान संभालेंगे।

हाईवे बनाए जाएंगे ग्रीन कॉरीडोर, लगेंगी रामचरित मानस की होर्डिंग्स

इसके अलावा लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी से अयोध्या के राजमार्गों को ग्रीन कॉरीडोर बनाते हुए इन मार्गों की समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इन मार्गों पर रामचरित मानस की चौपाइयों की होर्डिंग्स भी लगाए जाएंगे साथ ही साथ प्रदेश के सभी सरकारी इमारतों और स्कूल कॉलेज को सजाने के भी निर्देश हैं। प्रदेश के सभी कार्यालयों को 22 से 26 जनवरी तक रंग बिरंगे झालरों और प्रकाश से सजाने के भी निर्देश दिये गये हैं।

साथ ही सिंचाई विभाग द्वारा नया घाट पर 1.37 किमी तक नदी पर बैरियर बनाकर राम की पैड़ी की सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सपा ने कसी कमर

मतदाता सूची पर नजर रखें: अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी पदाधिकारियों से लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर भी बात की।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा कोई भी मतदाता छूट न जाए इसलिए 22 जनवरी को जारी होने वाली मतदाता सूची पर नजर रखी जाएगी। जनता महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा नेताओं के जमीन कब्जाने से परेशान है और बदलाव चाहती है। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को लखनऊ में विधानसभा अध्यक्षों के साथ चर्चा के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। गठबंधन में कांग्रेस से सीट शेयरिंग को लेकर उन्होंने कहा कि बहुत अच्छे माहौल में चर्चा हुई है। जल्द ही इसकी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहा है सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति सिर्फ एक नारा बनकर रह गई है। हर घर में बेरोजगार युवक बैठा है। जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था। बिजली महंगी हो गई है। किसानों को तार लगाकर अपनी फसलें बचाना पड़ रहा है। लोगों को इलाज नहीं मिल रहा है। सपा ने जिन मेडिकल कॉलेजों को बनाए थे वो भी नहीं चलाए जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता, कार्यकर्ता और अधिकारी मिलकर लोगों की जमीनों को हड़पने का काम कर रहे हैं। लोगों ने इतनी लूट कभी नहीं देखी होगी जितनी भाजपा सरकार में हो रही है। लोगों को डरा-धमका कर जमीनें छीन रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में अपराध बढ़े हैं। महिलाएं असुरक्षित हैं। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए एनकाउंटर कर रही है।

एक नज़र

कोहरे की धुंध में हादसा, ट्रक के नीचे एक घंटा दबा रहा कांग्रेस आईटी सेल पदाधिकारी

लखनऊ। सीतापुर जिले के रामकोट थाना क्षेत्र में गुरुवार को कोहरे की धुंध में एक सड़क हादसा हो गया। थाना क्षेत्र के मधवापुर गांव निवासी लवकुश मिश्रा (22) की बाइक एक ट्रक के नीचे जा घुसी। लवकुश कांग्रेस पार्टी के आईटी सेल के पदाधिकारी हैं। वह गुरुवार सुबह 7 बजे पेपर देने जा रहे थे तभी मधवापुर रामकोट मार्ग पर कैथी तालाब के पास हादसा हो गया। वह ट्रक के नीचे आ गये। उनका पैर करीब एक घंटे ट्रक के अगले पहिए के नीचे दबा रहा। गांव वालों के आने पर ट्रक में भरी गेहूं की बोरियों को उतार कर ट्रक को उठाया गया। इसके बाद लवकुश मिश्रा को निकाला जा सका। पुलिस व एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर रेफर किया है। लवकुश की हालत गंभीर बनी हुई है। उपचार जारी है।

पाकिस्तान जाने के बाद आईएसआई के लिए काम कर रहा था तहसीम, संवेदनशील सूचनाएं भेजता था

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने शामली से आईएसआई एजेंट तहसीम को गिरफ्तार किया है। वह हथियार जुटाकर बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था। शामली से गिरफ्तार आईएसआई एजेंट तहसीम आईएसआई हैंडलर्स के संपर्क में था। वह हथियार जुटा कर बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देना चाहता था। एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार होने के बाद उसके कनेक्शन का खुलासा हुआ है। पूर्व में उसके खिलाफ नकली नोटों की तस्करी के मुकदमे दर्ज किए गए थे। डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार और एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि बीते वर्ष 16 अगस्त को शामली में देश विरोधी गतिविधियों और आंतरिक सुरक्षा को क्षति पहुंचाने के सम्बन्ध में एसटीएफ ने आईएसआई एजेंट कलीम को गिरफ्तार किया था। बुधवार को एसटीएफ ने मुजफ्फरनगर के बुढाना से इस मुकदमे में वांछित कलीम के भाई शामली निवासी तहसीम उर्फ मोटा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तहसीम ने बताया कि वह और उसका भाई कलीम पाकिस्तान आते-जाते हैं। वहां उनकी आईएसआई के कुछ हैंडलर्स से पहचान हो गयी थी। जिन्होंने पैसों का लालच देकर कहा कि भारत में जिहाद फैलाने के लिए असलहा व गोला-बारूद दिया जाएगा। तुम अपने लोगों को तैयार करो, जो कई स्थानों पर दंगा-फसाद कर सके ताकि भारत में शरिया कानून के तहत नये सिस्टम को स्थापित कर इस्लामिक राष्ट्र बनाया जा सके। इसके बाद तहसीम और कलीम फर्जी सिम प्राप्त कर वाट्सएप से पाकिस्तान में आईएसआई एजेंट दिलशाद उर्फ मिर्जा को संवेदनशील सूचनाएं भेजने लगे। कश्मीर से लानी थी 10 पिस्टल -एडीजी एसटीएफ ने बताया कि तहसीम उर्फ मोटा वर्ष 2002 में पान, कत्था आदि बेचने के बहाने पाकिस्तान अपने रिश्तेदार के पास गया था। वह लाहौर में हमीदा से मिला जो कैराना की रहने वाली है। कैराना निवासी इकबाल काना जो काफी वर्ष पहले आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने के बाद पाकिस्तान भाग गया था, हमीदा उसकी सहयोगी थी। पकड़े जाने के डर से वह भी इकबाल काना की मदद से पाकिस्तान चली गयी थी। हमीदा के माध्यम से तहसीम की मुलाकात इकबाल काना से हुई थी। इसके बाद लाहौर के ड्राई फूड की दुकान करने वाले इकबाल काना के सहयोगी केसर ने उसे भारत में नकली नोट की सप्लाई करने के लिए आईएसआई हैंडलर दिलशाद मिर्जा से मिलवाया। वर्ष 2002 से 2008 तक लगभग 2-3 माह के अंतराल पर नकली नोट की खेप भेजी जाती थी। इसे वह दिल्ली व अमृतसर से प्राप्त करता था। अमृतसर में 22 लाख रुपये के जाली नोट के साथ पकड़े जाने के बाद वह वर्ष 2016 तक जेल में रहा। जहां उसकी मुलाकात कैराना निवासी शाहिद से हुई। जेल से सात साल बाद बाहर आने पर वह शाहिद के सहयोग से ड्रग्स की सप्लाई और अन्य देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त हो गया बाद में शाहिद पाकिस्तान फरार हो गया। वर्ष 2019 में शाहिद ने इसको कश्मीर से 10 पिस्टल लेने के लिए भेजा लेकिन यह योजना सफल नही हो सकी थी। तहसीम एनआईए के केस में भी वांछित है।

प्रदेश में 26 जनवरी तक सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के अवकाश रद्द

लखनऊ। डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह और गणतंत्र दिवस के मद्देनजर पुलिसकर्मियों के अवकाश पर रोक लग दी है। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश दुर्गा शंकर मिश्रा ने अयोध्या में प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर प्रदेश भर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के अवकाश रद्द कर दिए हैं। मुख्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि 26 जनवरी तक कोई भी अवकाश देय नहीं होगा। उधर, डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह और गणतंत्र दिवस के मद्देनजर पुलिसकर्मियों के अवकाश पर रोक लग दी है। विशेष परिस्थितियों में वरिष्ठ अधिकारी के अनुमोदन के बाद ही छुट्टी की अनुमति दी जाएगी। आगामी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह और 26 जनवरी की संवेदनशीलता के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। सभी पुलिस कमिश्नर और जिलों के कप्तानों को यह निर्देश दिया भी दिया गया है कि वह दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों में तैनात किए गए पुलिसकर्मियों ड्यूटी के लिए भेजना शुरू कर दें।

10 हजार सीसीटीवी कैमरे अयोध्या के चप्पे-चप्पे पर रखेंगे नजर सुरक्षा का फूल प्रूफ प्लान

एजेंसी

लखनऊ। स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए नगर की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। पूरे नगर में करीब 10 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का इंतजार देश-विदेश में फैले करोड़ों रामभक्त कर रहे हैं। ऐसे में नगर की सुरक्षा को लेकर विशेष प्रबंध किए गए हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर स्पेशल डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा, अयोध्या में जो कार्यक्रम है वो देश और पूरे विश्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उसके लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। सीसीटीवी द्वारा भी निगरानी कराई जा रही है। कार्यक्रम के दिन और उसके बाद आने वाले सभी श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई असुविधा ना हो, इसके लिए भी बेहतर व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या में 10,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। लखनऊ-अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर स्पेशल डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा, अयोध्या में जो कार्यक्रम है वो देश और पूरे विश्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। स्पेशल डीजी ने बताया है कि नगर की सुरक्षा को देखते हुए ऐसे उपकरणों का प्रयोग किया गया है जो कि अत्याधुनिक हैं और पुलिस के कार्यों में मददगार होंगे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की योजना प्राण प्रतिष्ठा समारोह और उसके बाद आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

जिले के अंदर परस्पर तबादले एक से दूसरे जिले में तबादले रोके गए

एजेंसी

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग जिले के अंदर परस्पर तबादले की प्रक्रिया 11 से 13 जनवरी के बीच पूरी करेगा। इसमें 20,752 शिक्षक शामिल हैं। वहीं एक से दूसरे जिले के परस्पर तबादले की प्रक्रिया न्यायालय के निर्णय के क्रम में आगे की जाएगी।

बेसिक स्कूलों में लंबे समय से परस्पर तबादले का इंतजार कर रहे कुछ शिक्षकों की प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू हो जाएगी। जबकि कुछ को इसके लिए अभी इंतजार करना होगा। बेसिक शिक्षा विभाग जिले के अंदर परस्पर तबादले की प्रक्रिया 11 से 13 जनवरी के बीच पूरी करेगा। इसमें 20,752 शिक्षक शामिल हैं। वहीं एक से दूसरे जिले के परस्पर तबादले की प्रक्रिया न्यायालय के निर्णय के क्रम में आगे की जाएगी। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से लंबे समय से परस्पर तबादले की प्रक्रिया शुरू की गई है। किंतु इसमें पूरी प्रक्रिया करने के बाद गर्मी या जाड़े की छुट्टियों में ही रिलीविंग व ज्वाइनिंग कराने का निर्णय लिया गया था। इसी के तहत विभाग ने पिछले दिनों तय किया था कि परस्पर तबादले की प्रक्रिया 11 से 13 जनवरी के बीच पूरी की जाएगी। क्योंकि 15 जनवरी से फिर से स्कूल खुल जाएंगे। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव प्रताप सिंह बघेल ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि एनआईसी की ओर से बनाए गए पोर्टल पर जिले के अंदर परस्पर तबादले के लिए अर्ह शिक्षकों की सूची उपलब्ध है। बीएसए इसके अनुसार शिक्षकों को कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया 11 से 13 जनवरी तक हर हाल में पूरा करेंगे। ताकि आगे शैक्षिक कार्य प्रभावित न हो। वहीं एक से दूसरे जिले के परस्पर तबादले रोके जाने से शिक्षकों में नाराजगी है।

राम मंदिर के स्वागत पर 10 हजार करोड़ का बाजार तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। रामोत्सव ने उत्तर प्रदेश में त्योहार का रूप ले लिया है। नवरात्र और धनतेरस की तरह 22 जनवरी के लिए लोगों ने अभी तक करीब 22 हजार वाहनों की डिलीवरी के लिए बुकिंग कराई है, वहीं सोने-चांदी के राम दरबार, सिक्के, राममंदिर की आकृति वाली अंगूठी सहित 78 से ज्यादा उत्पाद बाजार में हैं। राम दरबार के वस्त्र गुजरात से यूपी पहुंच रहे हैं। उसी दिन प्रदेश में करीब 6500 से ज्यादा शादियां होंगी। कुल मिलाकर करीब 10 हजार करोड़ का बाजार तैयार है। इन दिनों सबसे ज्यादा मांग श्रीराम मंदिर मॉडल की है। यह तांबे, पीतल, चांदी, हार्डबोर्ड, लकड़ी के बनाए जा रहे हैं। हस्तशिल्प विभाग के मुताबिक अकेले 15 हजार से ज्यादा हस्तशिल्पी और कारीगर इन मॉडलों को तैयार कर रहे हैं। यूपी रेडीमेड मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज शाह ने बताया कि भगवा रंग से जुड़े वस्त्रों की मांग ज्यादा है। टी शर्ट, कैप, हुडी, शाल से लेकर जैकेट तक की बुकिंग है। उधर खादी के कुर्ते और सदरी की मांग में पांच गुना तेजी आई है। सबसे ज्यादा फायदा कुम्हारों का है। अभी तक तक करीब दो करोड़ दीये बिक चुके हैं। माटी कला बोर्ड के मुताबिक, 22 जनवरी से पहले तक सभी जिलों के अलावा पड़ोसी जिलों से भी दीयों के आर्डर पेंडिंग है। हाल ये है कि सप्लाई नहीं हो पा रही है। उधर फेडरेशन आफ होटल-रेस्त्रां एंड स्वीट हाउस के पीके गुप्ता के मुताबिक 1.5 लाख किलो से ज्यादा लड्डुओं के एडवांस आर्डर पहले ही आ चुके हैं। इसमें छोटे कस्बे, तहसीलों के आर्डर शामिल नहीं है। फूलों की कीमत भी इस वजह से बढ़ गई है। गेंदा और गुलाब की मांग को देखते हुए पूरे प्रदेश से मंगाया जा रहा है। चूंकि फूलों का अधिक समय तक भंडारण नहीं किया जा सकता इसलिए 19 तारीख से ही 22 की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। 15 के बाद सहालग भी हैं इसलिए 18 से 22 के बीच तीन गुना बुकिंग अभी से हो रही है। फ्लैक्स के कारोबार पर भी राममंदिर की कृपा हो गई है। फ्लैक्स बाजार के बड़े कारोबारी विनोद कुमार ने बताया कि केवल राम मंदिर से जुड़े आयोजनों, उत्सवों और बधाई के लिए लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा और गोरखपुर से 80 लाख वर्गफुट की बुकिंग हो चुकी है। प्रदेश की बात करें तो अनुमान के मुताबिक कम से कम 3.5 करोड़ वर्गफुट फ्लैक्स की होर्डिंग बिक जाएगी। यूपी सराफा एसोसिएशन और आल इंडिया गोल्ड स्मिथ ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक प्रदेश में राम मंदिर से जुड़े सोना-चांदी की बिक्री कम से कम 400 करोड़ की होने का अनुमान है।

यूपी में भारत न्याय यात्रा की तैयारी शुरू

भाजपा विरोधी दलों को भी देंगे न्योता: कांग्रेस नेता

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में भारत न्याय यात्रा को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को भी यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभय दुबे ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का अपात्रों को लाभ दिया जा रहा है। इसी तरह से भाजपा सरकार जानबूझकर जाति जनगणना नहीं कर रही है। इन सभी मुद्दों को लेकर कांग्रेस की ओर से भारत न्याय यात्रा की शुरुआत की जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से मुंबई तक लोगों के बीच पहुंचकर लोगों को न्याय दिलाने की अपील की जाएगी। इस दौरान उन्होंने बताया कि यात्रा की उत्तर प्रदेश में भी तैयारी शुरू हो गई है। गठबंधन में शामिल नेताओं को भी शामिल किया जाएगा। सभी दलों के नेताओं को निमंत्रण भी भेजा जाएगा क्योंकि यह यात्रा जनता को न्याय दिलाने के लिए निकल जा रही है इसलिए भाजपा विरोधी हर दल को यात्रा में शामिल होना चाहिए।

अयोध्या-अहमदाबाद के बीच शुरू हुई इंडिगो की हवाई सेवा

एजेंसी

लखनऊ। धर्मनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन-पूजन की चाह रखने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अहमदाबाद-अयोध्या के बीच सीधी हवाई सेवा का विकल्प मिल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में अहमदाबाद-अयोध्या के लिए इंडिगो एयरलाइंस की सीधी हवाई सेवा का गुरुवार को शुभारंभ किया। अयोध्या-अहमदाबाद के बीच नई हवाई सेवा के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उड़ान सेवा से भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या, हवाई सेवा द्वारा, सीधे अहमदाबाद से जुड़ गयी है। अयोध्या से दिल्ली के बाद अहमदाबाद दूसरा कनेक्टेड स्थल है। आगामी 15 जनवरी से मुम्बई के लिए उड़ान सेवा आरम्भ हो जाने के पश्चात मुम्बई तीसरा कनेक्टेड स्थल हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, दिनांक 16 जनवरी, 2024 से दिल्ली के लिए एक और उड़ान आरम्भ हो रही है। मुख्यमंत्री ने बेहतर हवाई सेवाओं को पर्यटन और व्यापार की गतिविधियों को इससे बड़ा प्रोत्साहित करने वाला बताया। प्रदेश में बेहतर होती हवाई सेवाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश में हवाई यात्रियों की संख्या 59.97 लाख थी, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में बढ़कर 96.02 लाख हो गयी। विगत 03 वर्षों में प्रदेश में हवाई यात्रियों की संख्या में 29.46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2016-17 में लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या 39. 68 लाख, वाराणसी में 19.16 लाख, गोरखपुर में 54 हजार तथा प्रयागराज में 45 हजार थी। जबकि वर्ष 2022-23 में लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या बढ़कर 52.20 लाख, वाराणसी में 25.21 लाख, गोरखपुर में 7.18 लाख तथा प्रयागराज में 5.71 लाख हो गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना है कि एक सामान्य नागरिक भी हवाई जहाज में यात्रा करे, हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई सेवा का लाभ उठाये। राज्य सरकार इस परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 05 वर्ष पहले तक एक छोटी सी एयरस्ट्रिप थी लेकिन आज वहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित हो रहा है। आज हर व्यक्ति अयोध्या आने का इच्छुक है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप सरकार ने सड़क, रेल और वायु मार्ग की बेहतर कनेक्टिविटी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए 821 एकड़ की भूमि राज्य सरकार ने उपलब्ध कराई और केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने समयबद्धता के साथ विश्वस्तरीय एयरपोर्ट तैयार कराया। उत्तर प्रदेश में इंडियो एयरलाइन्स की उपस्थिति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिगो द्वारा उत्तर प्रदेश के 08 नगरों लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, बरेली तथा अयोध्या से उड़ान सुविधा दी जा रही है। इसमें लगातार बढोतरी भी हो रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ एयरपोर्ट से उड़ान वर्ष 2009 में प्रारम्भ हुई। वर्तमान में 13 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 84 उड़ानें प्रतिदिन उपलब्ध हैं। इसी तरह, वाराणसी एयरपोर्ट से 06 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 34 उड़ानें, गोरखपुर एयरपोर्ट से 04 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 06 उड़ानें, प्रयागराज एयरपोर्ट से 10 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 11 उड़ानें, आगरा एयरपोर्ट 06 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 06 उड़ानें, कानपुर एयरपोर्ट से 03 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 03 उड़ानें, बरेली एयरपोर्ट से 03 कनेक्टेड राष्ट्रीय गंतव्य स्थलों के लिए 03 उड़ानें प्रतिदिन उपलब्ध हैं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की न केवल 140 करोड़ भारतीयों बल्कि विदेशों में भी बड़ी प्रतीक्षा है। केंद्रीय मंत्री ने बीते 30 दिसंबर को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शुभारंभ के दिन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि अयोध्या में ऐसा लगा कि मानो हर कोई अपने प्रभु श्रीराम के स्वागत में आह्लादित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव्य अयोध्या बनाई है। अयोध्या एयरपोर्ट सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं की समयबद्धता पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि %जहां होता है राम का नाम-वहां पूरे होते हैं सारे काम। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग से ही महज 20 महीने में यह एयरपोर्ट बन सका। इतनी कम अवधि में हवाईअड्डा बनना, एक रिकॉर्ड है। अहमदाबाद और अयोध्या के बीच इंडिगो की फ्लाइट सेवा के शुभारंभ पर सभी को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस फ्लाइट के माध्यम से वाइब्रेंट गुजरात और आध्यत्मिक अयोध्या का संगम हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में 2014 में 700 एयरक्राफ्ट प्रति सप्ताह था, आज 137 गुना बढ़कर 1654 एयर मूवमेंट प्रति सप्ताह तक पहुंच गया है। बहुत जल्द अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती में भी हवाई सेवा शुरू होने जा रही है।

सम्पादकीय

उप्र 2027 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य को वर्ष 2024 -25 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था। इसके लिए रोड मैप सुझाने के लिए सलाहकार की सेवाएं लेने का निर्णय लिया गया। सरकार ने 19 जून, 2020 को निविदाएं और 'प्रस्ताव के लिए अनुरोध' (ऋऋक्क) के लिए नोटिस जारी किया और 10 सितंबर, 2020 को एक संशोधित आरएफपी जारी किया गया। 22 मार्च 2021 को सरकार ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए यह कहकर कि इस संबंध में नई निविदा सूचना जल्द प्रकाशित होने की संभावना है- सम्पूर्ण प्रक्रिया को रद्द कर दिया। अब 15 मार्च, 2022 को एक सलाहकार की सेवाओं को काम पर रखने के लिए पुनः निविदाएं आमंत्रित करते हुए नया नोटिस जारी किया गया है। लेकिन लक्ष्य की समय सीमा 2020-25 से बदलकर 2022-27 कर दिया गया है। निविदाएं 25 मई, 2022 को खोली जाएंगी और उसके बाद सलाहकार के चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 21 फरवरी 2018 को पहली बार %यू.पी. इन्वेस्टर्स समिट% में प्रधानमंत्री मोदी ने यह विचार व्यक्त किया कि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर आकार की पहली राज्य अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने में एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। जुलाई 2019 में प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि भारत अगले पांच वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके तुरंत बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की, कि इस राष्ट्रीय उद्देश्य को प्राप्त करने में योगदान देने के लिए यूपी को भी ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास करेंगे। तब से, केंद्र और राज्य दोनों के नेताओं और सरकारी पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न अवसरों पर इस उद्देश्य का उल्लेख किया जाता रहा है। यह विश्वास भी व्यक्त किया गया कि राज्य में इस उद्देश्य को प्राप्त करने की क्षमता है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का राष्ट्रीय उद्देश्य तब तक प्राप्त नहीं किया जा सकता जब तक कि यूपी एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन जाता है। वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यूपी का हिस्सा लगभग 8त्न है। इसे बढ़ाकर 20त्न करना होगा, यदि यूपी और भारत दोनों को क्रमशः 1 ट्रिलियन डॉलर और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करना है। कार्य की कठिन प्रकृति और महती लक्ष्य को देखते हुए विशेष रूप से यूपी के संदर्भ में, इस मुद्दे को वास्तविकता के धरातल पर पूरी तरह से जांच-परख करने की आवश्यकता है।

लक्ष्य के निहितार्थ और व्यवहार्यता

सर्वप्रथम एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के अर्थ और निहितार्थ को स्पष्ट रूप से समझना होगा। संशोधित समय-सीमा में आधार और लक्ष्य वर्ष क्रमश- 2021-22 और 2026-27 हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि लक्ष्य डॉलर के संदर्भ में है जबकि जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) रुपये में मापा जाता है और इसलिए इसे डॉलर में परिवर्तित किया जाना है। इस कारण रुपया-डॉलर विनिमय दर अतिमहत्वपूर्ण हो जाती है। समझने वाली आखिरी बात यह है कि जीएसडीपी (वर्तमान कीमतों पर) के नामिक मूल्य को लक्ष्य तिथि तक बढ़ाकर एक ट्रिलियन डॉलर करना है। इन मापदंडों को देखते हुए आइए अब हम 2027 तक एक ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की व्यवहार्यता की जांच करें। आर्थिक सांख्यिकी निदेशालय (ष्ठश्वस्) योजना विभाग, यूपी सरकार द्वारा किए गए नवीनतम अनुमानों के अनुसार यूपी (सन्दर्भ- राज्य आय के अग्रिम अनुमानों (2021-22) की प्रेस विज्ञप्ति) की सकल राज्य घरेलू उत्पाद का मूल्य वर्ष 2021-22 के लिए 19.10 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वर्तमान विनिमय दर 76-77 रुपये प्रति डॉलर के बीच मंडरा रही है। यदि विनिमय दर 76 रुपये प्रति डॉलर मानी जाये तो 2021-22 में जीएसडीपी का मूल्य 251 बिलियन डॉलर होगा। इसलिए एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए नामिक जीएसडीपी 2021-22 में 19.10 लाख करोड़ रुपये के अपने स्तर से बढ़कर 2026-27 में 76 लाख करोड़ रुपये हो जाना चाहिए और वह भी पांच साल की छोटी अवधि में। किसी भी हिसाब से जीएसडीपी के आकार को चार गुना बढ़ाना एक कठिन काम है। उपरोक्त आंकड़ों के साथ एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अगले पांच वर्षों में जीएसडीपी में 31.8त्न की वार्षिक वृद्धि दर (ष्टत्नक्र) की आवश्यकता होगी। ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 महामारी के बाद आर्थिक सुधार को बनाए रखने और उच्च स्थिर विकास को बनाए रखने की चुनौती बनी हुई है। भविष्य में डॉलर की तुलना में रुपये के बाहरी मूल्य में गिरावट की अत्यधिक संभावना है। (वास्तव में रुपया पहले ही 77 रुपये से नीचे गिर चुका है)। ये सभी कारक जीएसडीपी संवृद्धि की आवश्यक दर को और अधिक उच्च स्तर पर ले जायेंगे। यह देखा गया है कि 2011-12 से 2019-20 के दौरान उत्तर प्रदेश की नामिक जीएसडीपी की औसत वार्षिक वृद्धि 11.37त्न रही है। वास्तविक रूप (स्थिर कीमतों पर) में यह वृद्धि केवल 5.84त्न है। समय के साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्यह्रास के कारण डॉलर में जीएसडीपी की वृद्धि दर भी कम है, इसी अवधि के दौरान यह केवल 6.1त्न है। अगर सकल राज्य घरेलू उत्पाद की संरचना को देखें, तो यह पाया जाता है कि वर्ष 2019-20 के लिए वर्तमान कीमतों पर जीएसडीपीमें प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों की क्रमशः 24.8त्न, 24.9त्न और 50.4त्न की हिस्सेदारी है। यदि समग्र रूप में, जीएसडीपी में लगभग 32त्न की वृद्धि दर की आवश्यकता है तो तीन क्षेत्रों- प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक को भी 30-40त्न के बीच की दर से सालाना बढ़ने की आवश्यकता है। जाहिर है, ये दरें हकीकत के दायरे से बाहर हैं। यहां तक कि चीन, ताइवान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसी चमत्कारिक अर्थव्यवस्थाएं भी अपने सुनहरे दिनों में भी 30-40त्न के बीच की दर से नहीं बढ़ी हैं। यह जीएसडीपी के आकार को एक ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने के कठिन कार्य को दर्शाता है।

राज्य सरकार के विचार

यूपी सरकार द्वारा जारी मूल आरएफपी दस्तावेज ने स्वयं कार्य की विशालता को स्वीकार किया और कहा,हालांकि, पांच वर्षों (2020-25) में एक ट्रिलियन-डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए जीएसडीपी के आकार को लगभग पांच गुना बढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। दस्तावेज ने फिर से रेखांकित किया, यह हर्क्युलीन (कठिन) कार्य राज्य सरकार द्वारा आगे बढ़ने के लिए कुछ बड़े कदम उठाए जाने की मांग करता है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में %ब्रांड यूपी% और निवेश का माहौल सुधारने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके प्रयासों का फल तब मिला जब %यूपी इन्वेस्टर्स समिट-2018% काआयोजन किया गया और आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 4.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए और इन एमओयू में से 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर आ गया है। निवेश के मोर्चे पर नवीनतम यह है कि लगभग 75000 करोड़ रुपये के निवेश की 1500 परियोजनाओं के साथ तीसरा %ग्राउंड-ब्रेकिंग समारोह% 3 जून, 2022 को आयोजित होने जा रहा है। इसके अलावा, एक निवेशक शिखर सम्मेलन आगामी जुलाई में आयोजित किया जा सकता है जिसमें10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार के आगामी बजट (वर्ष 2022-223), जिसका आकर लगभग 6 लाख करोड़ रुपये होगा, में भी राज्य अर्थव्यवस्था को ट्रिलियन डॉलर की बनाने हेतु उपायों की झलक देखने को मिलेगी। यूपी एक्सप्रेस-वे, मेट्रो रेल और हवाई अड्डों के निर्माण के द्वारा आर्थिक बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए भी भारी निवेश कर रहा है जिससे कनेक्टिविटी में सुधार हो रहा है। राज्य %ईज ऑफ डूइंग बिजनेस% की अखिल भारतीय रैंकिंग में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इन सभी के फलस्वरूप यूपी तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ने की अच्छी स्थिति में है, लेकिन यह उम्मीद करना कि 4-5 वर्षों में यह एक ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी, यथार्थवादी नहीं है।

निवेश के लिए कई पूरक संसाधनों को जुटाने की आवश्यकता होती है

आत्मनिर्भर भारत का आयुष अभियान

केंद्र सरकार ने आयुष को व्यापक आधार पर प्रोत्साहित किया है। आयुर्वेद दुनिया के लिए भारत की धरोहर है। इसके साथ ही अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भी आवश्यकता रहती है। भारत में इन सबके समन्वय के साथ जन सामान्य को चिकित्सा का लाभ मिल सकता है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने इस तथ्य को समझा है। उसी के अनुरूप अभियान शुरू किया है। आत्मनिर्भर भारत अभियान में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। भारत में जनसंख्या के अनुरूप चिकित्सकों की बहुत कमी रही है। इसके लिए आजादी के बाद ही विशेष कार्ययोजना की आवश्यकता थी। मगर इस पर वर्तमान केंद्र सरकार ने ध्यान देकर इस कमी को दूर करने पर ध्यान दिया। इसके लिए अभियान चलाया जा रहा है। अनेक राज्यों ने केंद्र के साथ बेहतर समन्वय किया। उन्होंने विगत कुछ वर्षों में बेहतर कार्य किया है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस सरकारों पर स्वास्थ्य क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि देश में चिकित्सकों की कमी से सभी परिचित थे। लेकिन इस समस्या पर पूर्ववर्ती सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। जबकि भविष्य उन समाजों का होगा जो स्वास्थ्य सेवा में निवेश करते हैं। इसके अंतर्गत नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर वैश्विक आयुष निवेश एवं नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आयुष के क्षेत्र में निवेश और इनोवेशन की संभावनाएं असीमित हैं और भारत में स्टार्टअप का स्वर्ण युग शुरू हो चुका है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में चार हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुये ग्यारह नए मेडिकल कॉलेजों का लोकर्पण किया था। इससे साफ है कि कोरोना महामारी से सबक लेते हुए सभी देशवासियों को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए काम किया जा रहा है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के रूप में गरीबों के पास उच्च गुणवत्ता और सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध है। देश में घुटना प्रत्यारोपण और स्टेंट की लागत पहले के मुकाबले एक तिहाई हो गई है। मेडिकल शिक्षा के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। सात वर्ष पहले 396 मेडिकल कॉलेज थे। पिछले सात वर्षों में ही यह संख्या बढ़कर करीब 600 हो गई है। यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है। सात वर्ष फ्लड लगभग 82 हजार मेडिकल अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट सीटें थीं। पिछले सात सालों में यह संख्या बढ़कर करीब एक लाख 48 हजार सीटों पर पहुंच गई है। यह करीब 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सात वर्ष पहले देश में सिर्फ सात एम्स थे। अब स्वीकृत एम्स की संख्या 22 हो गई है। चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए विभिन्न सुधार किए गए हैं। भारत को गुणवत्ता और सस्ती स्वास्थ्य सेवा की दिशा में बढ़ रहा है। इसी प्रकार नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक साथ नौ जिलों में नए मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन सिद्धार्थ नगर में किया गया था। यह उत्तर प्रदेश के लिए राज्य के लिए ऐतिहासिक अवसर था। चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में मेडिकल कॉलेज निर्माण की योजना संचालित है। इस योजना को कोरोना कालखंड में भी तेजी से क्रियान्वित किया गया। इस कारण नौ जनपदों में मेडिकल कॉलेजों के निर्माण संभव हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच वर्ष में 33 मेडिकल कॉलेज निर्माण का कीर्तिमान बनाया है। गांधीनगर आयुष शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अदनाम घेब्रेसस भी सहभागी थे। तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन देश के प्रमुख नीति निर्माताओं, उद्यमियों, निवेशकों, स्टार्टअप और अन्य राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय हितधारकों को नवाचार पर विचार किया गया। भारत को उद्यमिता के लिए वैश्विक जीवनदायिनी बनाने की दिशा में कार्य करने का निर्णय लिया गया।आयुष क्षेत्र में पहली बार इस प्रकार का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया । नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोरोना आपदा के दौरान निवेश शिखर सम्मेलन का विचार आया। सभी ने देखा कि कैसे आयुर्वेदिक दवाएं, आयुष काढ़ा और ऐसे कई उत्पाद लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है। आयुष के क्षेत्र में निवेश और इनोवेशन की संभावनाएं असीमित हैं। आयुष दवाओं,पूरक और सौंदर्य प्रसाधनों के उत्पादन में अभूतपूर्व हुई हैं। सात वर्ष पहले आयुष सेक्टर तीन अरब डॉलर से भी कम था। आज यह बढ़कर 18 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। कुछ दिन पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के विकसित एक इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया था। भारत में स्टार्टअप का स्वर्ण युग शुरू हो गया है। देश में यह यूनिकॉर्न का युग है। वर्तमान वर्ष में अब तक भारत के 14 स्टार्टअप यूनिकॉर्न क्लब से जुड़ चुके हैं। डिप्लोमेट कॉन्क्लेव रिपब्लिक ऑफ कांगो, लेसोथो, माली, मैक्सिको, रवांडा, टोगो, मंगोलिया, बांग्लादेश, चिली, क्यूबा, गाम्बिया, जमैका, थाईलैंड, किर्गिस्तान, जिम्बाब्वे, कोस्टा रिका दूतावास और मानवीय सेवा, अमेरिकी दूतावास और अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि अस्थायी भागीदार हुए। एफएमसीजी कॉन्क्लेव में प्रमुख मंत्रालयों और उद्योगों,उद्यमियों, स्टार्टअप,आयुष के वैश्वीकरण और योग प्रमाणन के बीच जी टू बी बातचीत हुई। आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन में नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख डॉ. टेड्रोस ऐडरेनॉम गैबरेयेसस का गुजराती नाम तुलसीभाई रखा। वह अपने को गुजराती मानते है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि तुलसी एक ऐसा पौधा है,जिसे आज की पीढ़ी भुला रही है लेकिन भारत में हर घर के सामने तुलसी का पौधा लगाना और उसकी पूजा करना पीढ़ी दर पीढ़ी हमारी परंपरा रही है। तुलसी एक ऐसा पौधा है, जो भारत की आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत आयुष मार्क विकसित कर रहा है। जो देश के गुणवत्ता वाले आयुष उत्पादों को प्रामाणिकता प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक उपचार के लिए भारत आने वालों के लिए आयुष वीजा श्रेणी शुरू करने की भी घोषणा की। भारत के हर्बल प्लांट को ग्रीन गोल्ड की तरह हैं। प्राकृतिक संपदा को मानवता के हित में उपयोग करने के लिए सरकार हर्बल और मेडिसनल प्लांट के उत्पादन को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। मॉर्डन फार्मा कंपनियों और वैक्सीन मैन्यूफैक्चर्स को उचित समय पर निवेश मिलने का बहुत लाभ हुआ। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के द्वारा विकसित एक ऊष्मायन केंद्र का उद्घाटन किया गया। मेडिसिनल प्लांट्स की पैदावार से जुड़े किसानों को आसानी से मार्केट से जुड़ने की सुविधा विकसित की जाएगी। सरकार आयुष ई-मार्केट प्लेस के आधुनिकीकरण और उसके विस्तार पर भी काम कर रही है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने भी पिछले ही हफ्ते अपने नियमों में आयुष आहार नाम की एक नयी श्रेणी घोषित की है। इससे हर्बल पोषक तत्वों की खुराक के उत्पादकों को बहुत सुविधा मिलेगी। हील इन इंडिया इस दशक का बहुत बड़ा ब्रांड बन सकता है। आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा आदि विद्याओं पर आधारित स्वास्थ्य केंद्र बहुत प्रचलित हो सकते हैं।

समाज के सीसीटीवी में भेदभाव की धुंध

जीवन सदैव नियति के विधान से चलता है पर समाज के सीसीटीवी के अनोखे विश्लेषण है। यह मानता है कि बेटी विवाह के बाद माता-पिता के घर नहीं रुक सकती। माता-पिता को रखना केवल बेटों की जिम्मेदारी है। लड़की की कमाई से माता-पिता का जीवनयापन करना ठीक नहीं। आप किसी अनाथ को गोद लेकर उसका लालन-पालन करोगे तो वह खून के रिश्ते की तरह वफादार नहीं होगा। ऐसे अनेकों प्रश्न हैं जिन पर समाज सदैव अपना सीसीटीवी लगाए रखता है। विश्लेषण और मूल्यांकन समाज करता है। मगर अपेक्षित सहयोग समाज नहीं करता। समाज के सीसीटीवी में बहू की कमाई से घर चलाना ठीक नहीं है। कन्या संतति से वंश का आगे उद्धार नहीं हो सकता। यदि आपने परिस्थिति या मन के अनुरूप निर्णय लिए हैं तो वहां उनका अतिरिक्त मूल्यांकन होने लगता है। कई माता-पिता को समाज के इस सीसीटीवी के डर से बेटी का विवाह शीघ्र करना होता है। फिर भले ही उसकी क्षमताओं को मारा जाए। वह घर उसके अनुरूप उचित हो या न हो। बाद में वह लड़की भले ही घुट-घुट कर अपना दम तोड़ती रहे। कई बार अपनों और रिश्तेदारों के कहने में आकर खर्च करते-करते हम स्वयं पूरी तरह रंक बन जाते हैं और दुख की अवस्था में हमारा कोई सहयोगी नहीं होता। यदि कोई भी स्त्री भक्ति का मार्ग चुन ले और वह अपना अत्यधिक समय ईश भक्ति में लगा दे तो यही समाज उस पर उंगली उठाने लगेगा। इस समाज की घटिया सोच के कारण ही स्त्री शादी के बाद मायके में स्वयं को बोझ समझने लगती है। क्यों समाज की सोच जीवन में उलझनों को जन्म देती है और सुलझने का मार्ग क्यों नहीं सुझाती। समाज के दिखावे के चलते लोग महंगी-महंगी पार्टी करते हैं। शादी, बर्थडे पार्टी और सेलिब्रेशन में अनाप-शनाप रुपया खर्च किया जाता है। यह रुपया हम समाज में लोगों के इलाज, शिक्षा और उनके दुख को कम करने में नहीं लगाते। यह समाज दोहरा चरित्र निभाता है। कुछ समय झूठी तारीफ कर पुनः मीन-मेख निकालने लग जाता है। इस समाज के सीसीटीवी में आदर्श बेटे-बहू की संकल्पना है पर उन आदर्शों के साथ गृहस्थी का बोझ भी ढोना है। अत्यधिक अच्छाई की कीमत कभी-कभी आत्महत्या, घुटन, संत्रास, उत्पीड़न, अवसाद और खुद को रंक बनाकर भी अदा की जाती है। यह समाज आपके विवाह न करने, देरी से विवाह करने, प्रेम विवाह करने यानी हर स्थिति पर आपसे स्पष्टीकरण चाहता है। वह आपके परिस्थिति अनुरूप स्वतंत्र निर्णय का समर्थन नहीं करेगा पर कैमरे की चौकसी जरूर बढ़ाएगा। और उल्टे-सीधे विश्लेषण से सत्य से गुमराह करने में सहयोगी बनेगा। क्यों हमारा समाज लोगों के अतिरिक्त मूल्यांकन के पहले उनकी यथार्थ स्थिति को समझने का प्रयत्न नहीं करता। क्यों उनके उन्नति के सोपानों में सहयोगी नहीं होता। समय के अनुरूप निर्णय का भी स्वागत होना चाहिए। जीवन सदैव वैसा नहीं होता जैसा आप अपने सीसीटीवी में देखते है। हर व्यक्ति की अपनी परिस्थितियां, अपने भविष्य के लिए विचार या अपने स्वतंत्र निर्णय हो सकते हैं। समाज को समृद्धि, खुशहाली और सकारात्मक सोच में सहयोगी होना चाहिए, क्योंकि आप भी इसी समाज का अंग हैं। परिवर्तन संसार का नियम है, जिस कसौटी पर आज आप लोगों को तौल रहे हैं कल शायद उस तराजू में आपको भी खड़ा होना हो सकता है। समाज के सीसीटीवी से बुराई, आलोचना, नकारात्मकता और अतिरिक्त मूल्यांकन की धुंध समाप्त होनी चाहिए।

सोना और कितना नीचे जाएगा, बहुमूल्य धातु की खोती जा रही चमक के मायने

बहुमूल्य धातु सोना इन दिनों अपनी चमक खोता जा रहा है। दो साल पहले उसने अपनी चकाचौंध से सभी को हैरान कर दिया था। उस समय सोना 55,000 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया था और लोगों की पहुंच से बाहर हो गया था। उसकी वजह थी कि उस समय दुनिया कोरोना की चपेट में थी और यह कहना मुश्किल था कि कल क्या होगा। सोने को संकट का साथी माना जाता है और युद्ध या अन्य परिस्थितियों में यह भरोसा दिलाता है। हाल ही में रूस और यूक्रेन के युद्ध के कारण सोने की कीमतों में चमक आई थी, लेकिन धीरे-धीरे वह अपने पुराने स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि यूरोप और अमेरिका इससे कन्नी काट गए। सोना ने निवेशकों को कभी निराश भी नहीं किया। इसलिए दुनिया भर में निवेशक अपने पोर्टफोलियो में कुछ सोना जरूर रखते हैं। भारत में तो प्राचीन काल से लड़कियों को विवाह में सोना दिया जाता रहा है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित रहे। यहां गहने पहनने की पुरानी परंपरा रही है और इसे नारी सौंदर्य बढ़ाने का साधन माना जाता रहा है। आज भी भारत में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गहने बनते और पहने जाते हैं। यही कारण है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोना आयातक देश है। उसके आयात बिल का बड़ा हिस्सा विदेशों से सोने की खरीद में चला जाता है। सारी दुनिया के केंद्रीय बैंकों में सोना जमा रखा जाता है, ताकि आर्थिक उठापटक से बचा जाए। आपको याद होगा कि भारत ने अपनी गिरती हुई अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान में 46.91 टन सोना गिरवी रखा था, जिससे उसे उस समय 40 करोड़ डॉलर मिले थे। उसने ही देश को संकट से बचाया और वह दिन भी आया, जब मनमोहन सरकार ने 6.7 अरब डॉलर मूल्य का 200 टन सोना खरीदकर जमा किया। वह सोना ही भारत के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार का आधार बना। दुनिया के कई देश समय-समय पर ऐसा ही करते हैं। उनके केंद्रीय बैंक कभी सोना खरीदते हैं, तो कभी बेचते हैं, जिसका बाजारों पर भी असर पड़ता रहता है। बहरहाल, अभी कोरोना महामारी का खतरा टला नहीं है, लेकिन पहले जैसा आतंक नहीं रहा और उद्योग-कारोबार ठप नहीं हुए। इसका सकारात्मक असर पड़ा है, जिसके नतीजे में सोने का भाव गिरने लगा। लेकिन अभी हाल में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार के लक्षण दिखने लगे और डॉलर यूरो व पाउंड के मुकाबले मजबूत होने लगा। यह एक सामान्य-सी बात है कि जब डॉलर मजबूत होता है, तो सोना गिरने लगता है, क्योंकि निवेशक डॉलर में पैसे लगाते हैं। दूसरी ओर सरकारी बॉन्ड की यील्ड यानी मुनाफा बढ़ गया है। अमेरिका में ट्रेजरी बॉन्डों में निवेशक बहुत धन लगाते हैं। इसका ही असर है कि सोना गिरता जा रहा है। ताजा खबरों के मुताबिक, वहां सोना 1,900 डॉलर प्रति औंस से नीचे जा गिरा है और उम्मीद की जा रही है कि यह अपने बहुत पुराने स्तर 1,800 डॉलर प्रति औंस पर आ जाएगा। इस समय सोना अंतरराष्ट्रीय सटोरियों के रडार में नहीं है और वे इसमें ज्यादा निवेश नहीं कर रहे हैं। उनका ज्यादातर निवेश मुख्य रूप से डॉलर और सरकारी बॉन्डों में हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक, जिसे वहां फेड कहते हैं, अब काफी आक्रामक हो गया है और बढ़ती मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए वह ब्याज दरें बढ़ा सकता है। उसकी सख्त नीतियों का असर सोने की कीमतों पर पड़ेगा और वे गिरेंगी। इसके अलावा, चीन, जो सोने का दूसरा बड़ा खरीदार है और वहां की जनता बड़े पैमाने पर सोना तथा इसके गहने खरीदने लगी थी, अब इस समय कोरोना के कारण खरीदारी बहुत कम कर रही है। इससे सोने की मांग में काफी कमी आई है। कुछ अंतरराष्ट्रीय जानकारों का कहना है कि इस साल के अंत में सोना 1,600 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है।

2024 में मोदी जी लगाएंगे जीत की हैट्रिक

मोहम्मद अलीम खान

प्रस्तुत भविष्यवाणियां जातक ज्योतिष मेदनी ज्योतिष अंक ज्योतिष इल्मे जफर एवं भू-राजनैतिक विश्लेषण पर आधारित है मैं ऐसा दावा नहीं करता की उक्त भविष्य वाणीया सही ही होंगी क्योंकि ज्योतिष एक संभावनाओं का विज्ञान है ज्ञान रूपी तीरों से भविष्य को भेदने की कला है तो भविष्यवाणियां कुछ भ्रामक एवं भविष्य में ना हो सकने वाली असम्भव ही घटनाओं सरीखी लगेंगी लेकिन जैसे पहले होता आया है मेरी भविष्यवाणी अन्ततः अक्षरशः सत्य सिद्ध होती है अपने ज्ञान से प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को जनमानस तक पहुंचाना मैं अपना कर्तव्य समझता हूं आशा है जनता एवं राष्ट्र का इससे कुछ भला हो सकेगा प्रस्तुत भविष्य वाणियां एन0सी0 लहरी पंचांग पर आधारित है अन्य पंचांग से गणना करने पर घटना की तारीखों में 6 महीने से लेकर 1 वर्ष का अंतर हो सकता है परंतु निम्न वर्णित घटनाएं अवश्य होंगी

1. 24 नवंबर से मार्गी गुरु के कारण तमाम मौसम जनित बीमारियां जैसी डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया वायरल पर अंकुश लगेगा परंतु पूर्णतया विराम 13 जनवरी से होने वाले मार्गी मंगल से लगेगा 2. क्योंकि मंगल लगातार गोचर में मिथुन एवं वृष राशियों 13 जनवरी वक्री स्वमार्थि है जिस करण बहुत से देश आर्थिक मंदी की चपेट में आ जाएगे और कई देशों के तमाम बैंकों के नकदी की किल्लत होगी और महंगाई बेकाबू होगी व्यवस्था चरमरा सकती है इसमें पाकिस्तान बांग्लादेश भारत एवं अन्य कोई देश भी शामिल है

मोदी जी 2024 मैं लगाएंगे-हैट्रिक उथल-पथल का दौर अन्तत भारत विश्व विजेता बनेगा

मोदी जी की कुंडली में नीचे के चंद्रमा की महादशा 15.08.2013 से प्रारंभ हुई चंद्रामा का नीच भंग हो रहा है इसके नीच भंग के कारण चक्रवर्ती सम्राट सरीखे प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचे महादशा 15.08.2023 को समाप्त होगी तत्य पश्चात मंगल की महादशा प्रारंभ होगी और वह भी 7 वर्ष तक 15.08.2030 तक चलेगी इस महादशा में भी राजयोग बना रहेगा क्योंकि मंगल भी इस पर राजयोग में शामिल है परंतु द्वितीय भाव में बैठा मंगल कुछ स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव दे सकता है यदि सब कुछ ठीक रहा तो उन्हें 2024 के चुनाव मैं फिर एक बार दिल्ली की सत्ता मिलेगी और उनके इस कार्यकाल में मंगल उन्हें उग्र राष्ट्रवाद की ओर ले जाएगा जिससे पड़ोसी देशों से टकराव एवं अंतहीन युद्ध की ओर अंत ही ली जाएगा जो लगभग 6 वर्षों तक चल सकता है क्योंकि महादशा का प्रारंभ 15.08.2023 से ही है अतः संभव है की युद्ध की ओर इसके बाद ही बढ़ जाए क्क्षय को वापस लेने के संदर्भ में परंतु धीर-धीर यद्धा लम्बा खींचेगा महंगाई आर्थिक स्थित बेरोजगारी जैसी समस्याऐं मुह बाये खड़ी होगी हमने पहले 2014 के लेखो में भी इनका उल्लेख किया है वृष लग्न के भारत की महादशा भी चंद्रमा की चल रही है और 2025 तक चलेगी जिससे स्त्रियों पर अत्याचार मौसम जनित रोगों सक्रमाक वायरस जनित रोगों बाढ़ चक्रवात एवं भूकम्पों जैसे विनाशकारी अपदायें जन्ता को घेर सकती है कुंडली चंद्रमा तीसरे भाव में शनि के साथ विषयोग बना रहा है पराक्रमा की हानि सम्भव है 2025से 2032तक मंगल की महादशा भारत को अन्तहीन युद्धों में उलझा सकती है इस प्रकार प्रधानमंत्री जी के कार्यकाल का 12वां एवं 13वां वर्ष देश में बड़े बदलाव एवं बड़े संकटों का दौर होगा अनवरत दंगे अफवाहों का बाजार गर्म होगा गृह युद्ध जैसे हालात एवं एमरजैंसी का कारण बनेगा विनाशकारी दैवी आपदाएं मृत्यु का नाम गुंजान करेगी जन हानी होने के संकेत हैं लगभग 6 वर्ष तक जनता को कष्ट एवं उथल-पथल के दौर का सामना करना पड़ सकता है बदहाल आर्थिक स्थित एवं लगातार युद्धों से राजनीतिक एवं सामाजिक व्यवस्था चरमरा सकती है 15.08.2023 तक प्रधानमंत्री जी का व्यक्तिव और निखार लेगा राजनीति के सभी स्तंभ उनके आगे बौने हो जायेगें और विपक्षी अस्त विपक्षी खेमे का कोई सूरमा क्रियाशील ना बचेगा तमाम परेशानी और संकटों के बीच प्रधानमंत्री जी का सम्मोहन एवं जादुई व्यक्तित्व लोगों को एक सूत्र मैं बांधे रखेगा लेकिन अंततः धीरे-धीरे जनता का मोह भंग होने लगेगा और कार्यकाल का 13 वर्ष तक स्थितियां नियन्त्रण से बाहर होने लगेंगे क्क्षय लेने की मुहिम में देश अपने को लंबे युद्ध में उलझायेगा भारतीय सेना विजेता के तौर पर सिंध नदी को पार करेगी लेकिन मेरे देश ठहर जाना यदि तुम उस पार जाओगे तो अपने को पाकिस्तान के अतिरिक्त लाभ 12 देशों की सेनाओं से गिरा हुआ पाओगे तमाम सैनिक हताहत होगें देश में भुखमरी की नौबत होगी ऐसे रास्ते ही जाने क्या मेरे देश मेरी भविष्यवाणी को याद रखना हिंदू मुस्लिम के बीच खाई बढ़ती रहेगी आर्थिक स्थित खास्ताहाल होगी गृह युद्ध के हालात बन सकते हैं 2025 से 2027 तक इधर 2025 में भारत के छोटे से ही गांव में जन्मे में मुस्लिम व्यक्ति का प्रभाव जनता में बढ़ेगा लगभग उसकी उम्र 55 से 60 के बीच होगी वहां असाधारण ज्ञान विज्ञान का ज्ञाता श्री ऐ0पी0जे0 अब्दुल कालाम जैसे मझौले कद का सलोना व्यक्तिव लोकप्रियता के शिखर पर होगा धीरे-धीरे वहां असाधारण सा दीखने वाला व्यक्ति अध्यामित्का से परिपूर्ण एवं एक चमत्कारी व्यक्तिव का स्वामी बनेगा और भारतीय महाद्वीव को प्रभावित करने वाले नेताओं महात्मा गांधी जिन्ना भीमराव अंबेडकर विवेकानंद पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं नरेंद्र मोदी जी के बाद अत्यंत प्रभाव सील एवं कुशल वक्ता होगा लोग उसके भाषणों को सुनने के पश्चात उसके पीछे पीछे दीवानों की भागेंगे हमेशा लाखों का जन समूह उसे घेरे रहेगा तथा प्रधानमंत्री जी के सभ कालीन ही उसका प्रभाव बढ़ेगा और वो गोपनीय तरीके से मोदी जी को राय एवं मशवरा भी देगा उसके सस्तक पर उपरी हिस्से में चंद्रमा का निशान होगा एवं हथेली पर अंगूठे दिव्य नेत्र होगा वह दिल्ली अथवा पंजाब के शाही वंश से तालुक रखता होगा एवं अवध प्रान्त के छोटे से गांव में जन मेगा वह अत्यन्त प्रभावशाली दैवीय ज्ञान संपन्न भौतिक एवं अध्यामितक ज्ञान में भी बारबर ज्ञान वाला होगा सभी विषयों पर उसकी अच्छी पकड़ होगी उसके आगे राजनैतिक के तमाम कद्दावर नेता बोने हो जाएगे उधर मध्य पूर्व में अफगानिस्तान प्रभाव ईरान सीरिया इराक तक बढ़ेगा और एक चतुर्गुट बनेगा जिसको चीन सहित लगभग 10 देशों का सैनिक समर्थन प्राप्त होगा साथ ही रूस भी अपनी मदद देता रहेगा 2026 से 2030 तक भारत को सतर्क रहने की जरूरत है चूंकि यह चतुर्गुट तूफानी रूप ले सकता है जरा सी सावधानियां भारत को अंतरराष्ट्रीय दबाव में ले सकती है और जनता पाएगी उस पर विदेशी शासन है परंतु भारतीय जनमानस पुत्र ज्ञानी व्यक्तित्व चुंबकीय व्यक्तिव का स्वामी मुस्लिम राजनेता कौन विदेशियों को चमत्कारी रूप से अपने वश में कर लेगा और दिल्ली की गद्दी को स्वीकार करेगा देश की सम्प्रदाता को वापस दिलाएगा उसके बैठते ही सत्ता का संतुलन स्थापित होगा जनता में वैमनस्य एवं दंगे फसाद रुक जाएगे और खुशहाली आएगी उसके पहले लगातार 5 वर्ष तक जनता युद्ध दैवी अपदाओं दंगों के कारण मृत्यु का ग्रास बनेगी वहां व्यक्तिव वहतार भारत की संकल्पना को साकार करेगा पूर्व के सभी राष्ट्रों पर उसका शासन होगा विश्व को शांति की प्रेरणा देगा परंतु इजराइल की नादानी विश्व को बड़े युद्ध की ओर ढकेल देगी और तृतीय विश्व का अंतिम चरण प्रारंभ होगा इसके पहले और बाद में भारतीय राजनेता के उदय से पूर्ण भयानक युद्ध हो चुके होंगे उदय के पश्चात कुछ समय तक शांति रहेगी अर्थात युद्ध रुके रहेंगे तत्पश्चात विश्व युद्ध की कमान भारतीय नेता के हाथ में रहेगी और नाभिकी यह दो लड़े जाएंगे और या युद्ध अंतिम होगा और पश्चिमी देश इजराइल इत्यादि देशों का समूल विनाश संभव है करोड़ों लोगों को जान गवानी पड़ेगी और युद्ध में यदि कोई पंछी उड़े गा तो वह उड़ते हुए जमीन ना पाएगा यहां तक कि किसी लाश पर ही गिर कर मरेगा इस इस ईद के पश्चात विश्व में खामोशी छा जाएगी युद्ध बंद हो जाएगा और लोग शांति व अमन के साथ एक शहंनशाही सरकार के अधीन रहेंगे और भारतीय राजनेता एवं भारत विश्व विजेता के रूप में ख्याति अर्जित करेगा 2030 से 2040।

नोट -तालिबानो की अफगानिस्तान मैच 2017 के बाद वापसी 2014 में 2-

क्रूरता पूर्वक जानवरो को ट्रक में भरकर एक राज्य से दूसरे राज्य तक परिवहन करने वाले कटनी पुलिस की गिरफ्त में

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश, कटनी। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया व पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा के निर्देशन पर कुठला पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है, रात्रि 21.00 बजे बायपास चाका मेन रोड थाना कुठला में मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि एक ट्रक जिसका नंबर MP31ZS8199 में कुछ लोग क्षमता से अधिक मात्रा में बकरा, बकरी, भेडो को ढूंस ढूंस कर भरकर एक राज्य से दूसरे राज्य के लिये परिवहन कर ले जा रहे है। उक्त सूचना पर थाना प्रभारी कुठला अभिषेक चौबे ने उप निरी. के. के. सिंह को कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया जो हमराह थाना स्टाफ द्वारा चाका बायपास मेन रोड पर उपस्थित गवाहो को सूचना से अवगत कराते हुये चाका बायपास मेन रोड पर सतना मैहर तरफ से एक ट्रक जिसका नंबर MP31ZS8199 आते दिखा जिसे रोककर चालक से उसका नाम पूंछा जिसने नाम सुधीर चौधरी पिता शीतल प्रसाद चौधरी उम्र 33 साल निवासी कुलगढी थाना नागौद जिला सतना का रहने वाला तथा ट्रक में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम राजेश खटीक पिता किशन खटीक उम्र 42 साल निवासी हरदुआ मोहल्ला नागौद जिला सतना का रहने वाला बताया ट्रक को चेक करने पर ट्रक में भेड, बकरा बकरी भरे हुये थे । जिसे ट्रक से उतरवाकर उनकी गिनती की गयी जिसमें 75 नग बकरी 310 नग बकरा एवं 20 नग भेड कुल 405 नग जानवर ट्रक में मात्रा से अधिक क्ररूतापूर्वक भरे हुये मिले ट्रक चालक ने उक्त बकरा बकरी भेडो को कुलगढ़ी नागौद जिला सतना से लेकर नागपुर की तरफ ले जा रहा था। ट्रक चालक से भेड बकरी खरीदने बेंचने के कागजात एवं परिवहन करने के कागजात मांगने पर कोई दस्तावेज पेश नहीं किये ट्रक के चालक एवं ट्रक में बैठे व्यक्ति द्वारा बकरा बकरी भेडो को भूखे प्यासे रखकर क्ररूतापूर्वक क्षमता से अधिक मात्रा में ट्रक में भरकर एक राज्य से दूसरे राज्य तक अवैध रुप से परिवहन करना पाया गया जो ट्रक में भरे कुल 405 नग बकरा बकरी भेड भूख प्यास के कारण चलने फिरने में असमर्थ हो गये थे जिन्हे मौके पर जप्त किया गया तथा जप्तशुदा पशुओं को लमतरा स्थित बाडा में सुरक्षित रखवाया गया तथा जिस ट्रक में उक्त बकरा, बकरी, भेड का परिवहन किया जा रहा था। उक्त ट्रक नंबर MP31ZS8199 को थाना लाकर सुरक्षित रखा गया है एवं आरोपियो द्वारा उक्त अपराध घटित करना पाये जाने से आरोपी राजेश खटीक एवं सुधीर चौधरी के विरुद्ध अप.क्र. 41/24 धारा एवं 11 (घ) पशु क्ररूता निवारण अधिनियम 66/192 मोटर व्हीकल एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया है । इस कार्यवाही में थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, उप निरी. के.के. सिंह, सउनि तीरथ तेकाम, प्र.आर. सुनील पाण्डेय, राहुल मिश्रा, रामेश्वर सिंह, रामश्रय सिंह, दिवाकर ओझा, आर. शिशिर पाण्डेय द्वारा कडी मेहनत एवं लगन से आरोपी को धारदार तलवार के साथ पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

शहर के प्रवेश द्वारों पर स्थापित होंगे अशोक स्तंभ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। हाईवे से शहर की सीमा के प्रवेश बिंदु पर दो अशोक स्तंभ लगाए जाएंगे। दोनों ही स्थान का सौंदर्यीकरण होगा। दोनों ही अशोक स्तंभ वाराणसी में मिले अशोक स्तंभ जैसे ही होंगे। इस कार्य योजना पर 32 लाख रुपए से अधिक धन खर्च होगा। जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। 1 महीने के भीतर ही कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व बाराबंकी को सजाने संवारने की योजना चल रही है। इस योजना के दृष्टिगत लखनऊ और अयोध्या के बीच पड़ने वाले शहर बाराबंकी की ओर भी पर्यटकों को आकर्षित करने की कार्य योजना पर कार्य शुरू हुआ है। बाराबंकी शहर के चौपुला और असेनी चौराहे का सौंदर्यीकरण 15 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। इन दोनों ही स्थान पर 8-8 लाख की लागत से दो अशोक स्तंभों का निर्माण भी किया जाना है।

कलेक्टर अवि प्रसाद ने किया विकासखण्ड विजयराघवगढ़ के मतदान केंद्र सिनगौड़ी का निरीक्षण

मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य का लिया जायजा

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद ने गुरूवार को विकासखण्ड वियजराघवगढ़ के सिनगौड़ी स्कूल स्थित मतदान केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फोटो निर्वाचन नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के तहत 22 जनवरी तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन की प्रक्रिया का जायजा लिया तथा 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जुडवानें हेतु अग्रिम रूप से प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। कलेक्टर श्री प्रसाद ने उपस्थित बीएलओ को घर- घर जाकर नये मतदाताओं के नाम जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कुल मतदाताओं की संख्या, प्राप्त नाम जोड़नें हटानें एवं संशोधन की कार्यवाही हेतु कुल प्राप्त आवेदनों की संख्या की जानकारी लेते हुए एक घर में छह से अधिक मतदाता होने पर घर-घर संपर्क कर भौतिक सत्यापन किये जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री प्रसाद ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों पर 13 एवं 20 जनवरी को विशेष शिविर आयोजित करनें तथा इस दौरान सभी बीएलओ को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने निर्देशित किया कि 18 वर्ष की आयु वाले नवीन मतदाताओं सहित विवाह होकर जो महिलाएं आई है उनका नाम जोडें। साथ ही ऐसे मतदाता जिनकी मृत्यु हो गई है या जो किसी दूसरे स्थान पर चले गए है उनका नाम हटानें की नियमानुसार कार्यवाही करें। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार नितिन पटेल एवं नायब तहसीलदार पी के वर्मा मौजूद रहे।

एक नज़र

तहसील परिसर में लगाया गया मतदाता जागरूकता एवम प्रशिक्षण ईवीएम प्रदर्शन केंद्र

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के सिरौलीगौसपुर तहसील परिसर में स्थापित ईवीएम व वीवीपैट के संचालन का प्रशिक्षण एवं जागरूकता केंद्र का उद्घाटन जिला अधिकारी प्रेरणा शर्मा ने फीता काटकर किया। आपको बता दे भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार स्थापित प्रशिक्षण एवं जागरूकता केंद्र में मतदाताओं को अपने मत के प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। जिससे जनपद का मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी किया जा सके।

सीडीओ ने निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने पर जेई को लगाई फटकार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। नगर पंचायत में कराए गए विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत पर सीडीओ के नेतृत्व में टीम ने बुधवार को जांच की। सीडीओ ने निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने पर जेई को जमकर फटकार लगाई और ईओ को देर से पहुंचने पर अनुपस्थित कर दिया। जांच टीम में शामिल अभियंताओं को शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।नगर पंचायत फतेहपुर के मोहल्ला पचघरा निवासी सर्वेश श्रीवास्तव ने नगर पंचायत द्वारा नाली निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किए जाने की शिकायत की थी। इसमें नालियों पर रखे गए कई पत्थर टूटने का मामला भी शामिल था। सीडीओ एकता सिंह की अगुआई में डीडीओ भूषण कुमार व तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच कराई। इस दौरान नालियों पर रखे पत्थरों को उखाड़कर लंबाई-चौड़ाई की नापजोख कराई गई। सीडीओ ने कार्यों से पूर्व व बाद की फोटो फाइल में न लगाए जाने पर जेई आलोक कुमार को जमकर फटकार लगाई।

फुटपाथ ना होने से खाई में गिरा ट्रक

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

इटौंजा लखनऊ। सड़क दुर्घटनाएं आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। इटौंजा कुर्सी मार्ग पर आए दिन छोटे या बड़े हादसे होते रहते हैं। जिनमें बेब्स, बुजुर्ग, जवान, बच्चों स्कूली छात्र-छात्राएं इस मार्ग पर चलते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं और कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर मामले को रफा दफा कर दिया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य सड़क के दोनों और फुटपाथ न होने की वजह से समस्याएं ज्यादातर होती है। ताजा मामला महिंगवाँ थानाक्षेत्र के अंतर्गत कुर्सी-इटौंजा मार्ग पर रमपुरवा गाँव के सामने फुटपाथ ना होने की वजह से गन्ने से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा जिसमे सवार ड्राइवर बाल-बाल बचा। एक जानकारी के अनुसार खबर मिली है की इस मार्ग को जल्द से जल्द चौड़ा करके दोनों और फुटपाथ का निर्माण कराया जाएगा।

रथयात्रा, भंडारा तो कहीं होगी आतिशबाजी

बाराबंकी। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में खुशी और उत्साह का माहौल है। हर कोई प्रभु श्रीराम की सेवा करने में लगा दिख रहा है। होली से पहले ही दीपावली की तैयारी में सभी जुट गए हैं। घरों व मंदिरों में दीपोत्सव होगा। भजन-कीर्तन, सुंदरकांड पाठ के साथ ही भंडारा, रथयात्रा और आतिशबाजी की तैयारी की जा रही है। शहर स्थित श्रीरामलीला दशहरा मंदिर से भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी जो घंटाघर, धनोखर, नाका चौराहे होते पंचमदास कुटी पहुंचेगी। इस पूरे मार्ग को रंग-बिरंगी झालरों व रामध्वज से सजाया जाएगा। रास्ते में जगह-जगह प्रसाद का वितरण किया जाएगा। धनोखर चौराहे पर महाआरती होगी और फूलों की होली खेली जाएगी। धनोखर से घंटाघर के बीच आतिशबाजी होगी। सारे कार्य रामभक्तों द्वारा किए जाएंगे। सराफा दुकानदार दुकानों को फूलों से सजाएंगे। इसके अलावा मंदिरों को सजाया जा रहा है। जिला अस्पताल स्थित मंदिर में नेशनल मेडीकोज ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में सुबह विजय मंत्र जाप, सुंदरकांड का पाठ, भंडारा व शाम को दीपोत्सव होगा। सतोखर तालाब स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम होगा। मंदिर को तिरंगे वाली लाइट से सजाया जा रहा है। देवा रोड स्थित बस स्टेशन पर एलईडी लगाकर सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। मत्थेश्वर महादेव मंदिर, कैलाश आश्रम, नागेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी मंदिरों में दीपोत्सव की तैयारी की जा रही है।

ई-लाटरी में लक्ष्य के सापेक्ष कृषकों का चयन लक्ष्य के 50% कृषक प्रतीक्षा सूची में चयनित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बाराबांकी। कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन आन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन , प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन-सीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेजिड्यू एवं कृषि यंत्रीकरण की अन्य योजनाओं के सामान्य संचालन/ ई-लाटरी के माध्यम से लाभार्थी चयन हेतु ब्रहस्पतिवार प्रातः 11:00 बजे से जनपद बाराबंकी के कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में ई-लॉटरी आहूत की गई जिसमें उप कृषि निदेशक, बाराबंकी श्रवण कुमार, कृषि निदेशालय, उ0प्र0 द्वारा नामित नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, मुख्यालय, उ0प्र0 अनिल कुमार सागर, कृषि विज्ञान केन्द्र, हैदरगढ़, बाराबंकी के अध्यक्ष डा0 शैलेश सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, जिला उद्यान अधिकारी महेश कुमार श्रीवास्तव, जिला गन्ना अधिकारी संजय कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अरविन्द मिश्र, अग्रणी जिला प्रबन्धक, बाराबंकी विवके कुमार, प्रगतिशील कृषक आनन्द मौर्य, पद्मश्री राम सरन वर्मा, माइनुद्दीन, आरिफ हसन, विनोद कुमार श्रीवास्तव, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधि गुरूशरण सिंह लोधी, चेयरमैन, जिला सहकारी बैंक, बाराबंकी एवं हरिशंकर पाण्डेय, प्रगतिशील कृषक राम किशोर पटेल, विक्रान्त सैनी, सुनील कुमार यादव के साथ ही भारी संख्या में यंत्रों के अनुदान हेतु बुकिंग करने वाले कृषक उपस्थित रहे। सर्वप्रथम जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में गठित समस्त सदस्यों की उपस्थित पोर्टल पर मार्क करते हुये उनकी हस्ताक्षरित प्रति कृषि विभाग के पोर्टल पर अपलोड करने के उपरान्त जिलाधिकारी महोदय/ अध्यक्ष की अनुमति से ई-लॉटरी शुरू की गई, जिसके अन्तर्गत क्रमशः विकास खण्ड बनीकोडर, बंकी, दरियाबाद, देवा, फतेहपुर, हैदरगढ़, हरख, मसौली, निन्दूरा, पूरेडलई, रामनगर, सिद्धौर, सिरौलीगौसपुर, सूरतगंज एवं त्रिवेदीगंज के अन्तर्गत समस्त योजनाओं में समस्त यंत्रों, जिनमें लक्ष्य से अधिक बुकिंग हुई थी, जैसे कस्टम हायरिंग सेन्टर, लेजर लैण्ड लेबलर, मल्टी क्राप थेसर, स्माल गोदाम, रोटावेटर, हैरो, कल्टीवेटर, आलू बोने की मशीन, आलू खुदाई की मशीन, मानवरहित चैप कटर आदि की ई-लाटरी सम्पन्न की गई। ई-लाटरी में लक्ष्य के सापेक्ष कृषकों का चयन होने के साथ ही लक्ष्य के 50 % कृषक प्रतीक्षा सूची में भी चयनित हुये। उपस्थित कृषकों में से भी कई कृषकों विकास खण्ड निन्दूरा के अयोध्या प्रसाद (कस्टम हायरिंग सेन्टर), विकास खण्ड निन्दूरा के नरेन्द्र कुमार (रोटावेटर), विकास खण्ड देवा के अवध किशोर (लेजर लैण्ड लेबलर), विकास खण्ड सिद्धौर के श्री शैलेन्द्र कुमार (कस्टम हायरिंग सेन्टर), विकास खण्ड हरख के श्री शारदा प्रसाद (कस्टम हायरिंग सेन्टर) सहित तमाम कृषकों की बुकिंग ई-लाटरी में कन्फर्म हो गई एवं तत्काल उनके मोबाइल पर मैसेज भी आया। उपस्थित कृषक पारदर्शी व्यवस्था से अत्यन्त प्रसन्न नजर आये एवं उनके द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई कि अब इस व्यवस्था में किसी बिचौलिए या दुकानदार द्वारा गड़बड़ी नहीं की जा पायेगी।

शुरू राम से अंत भी राम से, सभी दशा में मंत्र है राम

बाराबंकी। कोई अपना मिल जाय तो जयराम, दोस्तों से राम राम, दुख मिले तो हायराम, ये तो अभिवादन व भावना प्रकट करने का तरीका हो गया, मगर राम का नाम बाराबंकी जिले में कुछ ऐसा रचा बसा है कि यहां शुरुआत भी राम के नाम से होती है और अंत भी राम से। फसल की बोआई हो या बंटवारा... इसकी शुरुआत राम के नाम से ही होती है। बच्चे को पहली बार कलम पकड़ाई जाती है तो राम का नाम ही लिखाया जाता है। कार्यपद्धति से लेकर संस्कारों तक में ही राम नहीं है, बल्कि अंतिम संस्कार में उद्घोषित होने वाला राम नाम सत्य है.. का उद्घोष भी बाराबंकी के संत जगजीवनदास ने ही पूरी दुनिया को दिया। बाराबंकी में करीब छह लाख हेक्टेयर में 4.50 लाख किसान खेती करते हैं। खेतों में जब बीज डालने की शुरुआत होती है तो पहले मुट्ठी राम के नाम से डाली जाती है।

पुरानी पेंशन के लिए क्रमिक अनशन पर बैठे रेलकर्मी

मांगों को लेकर अनशन पर बैठे रेल कर्मचारी

द अचीवर टाइम्स प्रशान्त अवस्थी

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर रेलवे व राज्यकर्मियों का क्रमिक अनशन सोमवार से शुरू हो गया था गुरुवार को शाम पांच बजे तक यह अनशन चला हैं। कर्मचारियों का दावा है कि मांग नहीं माने जाने पर रेलवे में चक्काजाम किया जाएगा। ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन और नार्दन रेलवे मेन्स यूनियन ने आलमबाग स्थित सवारी डिब्बा कार खाना में क्रमिक अनशन मणिकांत शुक्ला के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने कहा कि पेंशन हमारा हक है। इसको नहीं दिया गया तो रेलवे का चक्काजाम करेंगे। इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। वहीं, दूसरी ओर आलमबाग में क्रमिक अनशन एनआरएमयू कार्यालय पर हुआ। यहां हजरू के केन्द्रीय नेतृत्व से मण्डल मंत्री लेखा मण्डल कॉमरेड उपेन्द्र सिंह , मण्डल अध्यक्ष लखनऊ मण्डल कॉमरेड विभूती मिश्र, मण्डल मंत्री कारखाना मण्डल कॉमरेड अनूप बाजपेई, विद्युत शाखा मंत्री कॉमरेड मणिकान्त शुक्ला, विद्युत शाखा कॉमरेड प्रताप भानू सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बातचीत के कई दौर बीत चुके हैं। सरकार की हठधर्मिता के खिलाफ हम आरपार की लड़ाई को तैयार हैं। यह भविष्य को सहेजने की लड़ाई है। हम त्याग व बलिदान के लिए तैयार हैं। रेलवे यूनियन के नेता उपेन्द्र सिंह कहा कि इस लड़ाई को और मजबूती दी जाएगी। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ, आयकर, पोस्टल, दूरदर्शन, जीएसआई समेत कई संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में हड़ताल करने के पक्ष में आवाज उठाई।

एंबुलेंस डीसीएम में घुसी, महिला की मौत

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। अंबेडकरनगर जिले से मरीज व तीमारदारों को लेकर लखनऊ जा रही तेज रफ्तार एंबुलेंस पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर घने कोहरे के बीच डीसीएम में पीछे से जा घुसी। इस हादसे में एंबुलेंस के परखचे उड़ गए और बीमार महिला की मौत हो गई जबकि उसके पति समेत घायल चार लोगों को गंभीर हालत में सीएचसी हैदरगढ़ से लखनऊ रेफर किया गया। बृहस्पतिवार की सुबह अकबरपुर थानाक्षेत्र के लोधपुर पुन्नी गांव निवासी श्रीपति अपनी बीमार पत्नी कुसुमा देवी (45) को निजी एंबुलेंस से लखनऊ लेकर जा रहे थे। वहीं थाना अतरौली के भैरोपुर दरगाह गांव के राजकुमार की पत्नी ऊषा (47), थाना जलालपुर के जेवत मैदेपुर गांव के रजनीश (40) भी एंबुलेंस में सवार थे। सम्मनुपर के पाली रामनगर गांव का इंद्रजीत एंबुलेंस चला रहा था। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में तारागंज के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर तड़के एक डीसीएम जा रही थी।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सोनभद्र शाखा के अध्यक्ष चुने गए डॉ. मनीष सिंह

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। इंडियन डेंटल एसोसिएशन सोनभद्र शाखा के मनीष सिंह को अध्यक्ष बनाया गया निर्वाचित पदाधिकारियों को को प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप अग्रवाल ने सोपी जिम्मेदारी इंडियन डेंटल एसोसिएशन के कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतीत प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया (आईडीए) के प्रवक्ता डॉक्टर अनिल जायसवाल ने बताया की सोनभद्र शाखा के डॉक्टर मनीष सिंह को अध्यक्ष पद एवं अन्य पदाधिकारी का गठन करके जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर प्रदीप अग्रवाल ने सोपी (आईडीए) इंडियन डेंटल एसोसिएशन सोनभद्र शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम 2024 का पहला सीडीई प्रोग्राम डॉ मनीष सिंह की अध्यक्षता में बड़ी ही कुशलता से संपन्न हुआ जिसमें इंडियन डेंटल एसोसिएशन संगठन के प्रिय प्रेरणादायक चीफ गेस्ट स्पीकर और गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर टीपी चतुर्वेदी और प्रोफेसर रमेश सोनी के द्वारा बहुत ही शानदार प्रेजेंटेशन दिया गया इस कार्यक्रम में डॉक्टर एस रमन त्रिपाठी डॉक्टर मनांसि सिंह डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह डॉक्टर आखिफ डॉ चंदन डॉ गौरव डॉ अनिल जायसवाल डॉ अनुराधा डॉक्टर आकांक्षा वह डॉक्टर सौम्या जायसवाल सहित गेस्ट लोग मौजूद रहे

वर्ष 2023 में लगाए गए पौधों के जीवितता प्रतिशत काम होने पर जिलाधिकारी ने जाहिर की नाराजगी

❖ सीयम डैश बोर्ड पर पौध की जीवितता प्रतिशत 95 प्रतिशत से कम होने पर प्रतिकूल प्रविष्टि।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जनपद में वृक्षारोपण अभियान 2024 के तहत प्रदेश सरकार के लक्ष्य 35 करोड़ वृक्षारोपण को पूर्ण करने के लिए जनपद के जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने कलेक्टर सभागार में बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनपद में कुल 11लाख 41 हजार 80 पौधों का रोपण किया जाना है जिसके तहत विभिन्न विभागों को उनका लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है जिसमे प्रमुख रूप से वन विभाग को 1 लाख, पंचायती राज विभाग 53000, आवास विकास 6000, लोक निर्माण विभाग 15000, जल शक्ति विभाग 15000, रेशम विभाग 23000, कृषि विभाग 104000, सहकारिता विभाग 2380, उद्योग विभाग 11000, उच्च शिक्षा 18000, स्वास्थ्य विभाग 11000, गृह विभाग 8400, पर्यावरण विभाग 50000, रेलवे विभाग 13000, तथा रक्षा विभाग को 6000 वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है सभी विभाग वृक्षारोपण से पूर्व की तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि अग्रिम मृदा कार्य जैसे गड्ढा खुदान एवं सुरक्षा व्यवस्था, सिंचाई हेतु बोरिंग व्यवस्था तथा स्थलवार वृक्षारोपण एक्शन प्लान अपने स्तर पर हर हालत में तैयार कर ले जिससे ससमय वृक्षारोपण पूर्ण किया जा सके । जिलाधिकारी ने वर्ष 2023 में लगाए गए पौधों के जीवितता प्रतिशत काम होने पर नाराजगी जाहिर की उन्होनें जिन विभागों द्वारा सीयम डैश बोर्ड पर सम्बंधित विभागों के पौध की जीवितता प्रतिशत 95 प्रतिशत से नीचे हैं उनके अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए सर्विस बुक में एंट्री दर्ज करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने द्वारा लगाए गए पौधों की 100% जीवितता रिपोर्ट 15 जनवरी तक हर हालत मे दर्ज कर दे। ऐसे पौधे जो मर गए हैं उन्हे रिप्लेस कर नये पौधों का रोपण किया जाए। इसके अलावा भौतिक सत्यापन के लिए जिन अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है वह अपनी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत कर दें। जिला पर्यावरण समिति की बैठक के दौरान उन्होंने जनपद के वायु प्रदूषण की स्थिति, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, घर-घर कूड़ा एकत्रीकरण, कचरा निस्तारण तथा प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट का समीक्षा की उन्होंने कहा कि पॉलीथिन उपयोग रोकने के लिए रोस्टर बनाकर अभियान चलाया जाए उन्होंनें जिला गंगा समिति की भी बैठक की। बैठक के दौरान अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप कुमार, जिला वन अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ संख्य अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राम आए हैं... की धुन के बीच बांटे अक्षत

बाराबंकी। भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में घर-घर पूजित अक्षत व पत्रक साथ बांटे गए। श्रीराम के जयकारों तो कहीं राम आए हैं... की धुन के बीच पूजित अक्षत का वितरण किया गया। शहर के मोहल्ला घंटाघर व सरावगी में अखिल भारतीय सनातन महासभा की महिला टोली ने पत्रक का वितरण कर 22 जनवरी को दीपावली मनाने का निवेदन किया। लोग जय श्री राम के जयकारे भी लगा रहे थे। कोटवाधाम में भगवान राम और लक्ष्मण व हनुमानजी की झांकी सजाई गई। इसके बाद डीजे की धुन पर राम आए हैं... की धुन पर नाचते गाते रैली निकाल कर पूजित अक्षत बांटे। उधर, रामनगर में विश्व हिंदू परिषद व संघ के कार्यकर्ताओं एवं रामभक्तों की टोली घर-घर पहुंची और पूजित अक्षत देकर कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के समय ईष्ट देव की पूजा-अर्चना, आरती कर प्रसाद का वितरण करें एवं शाम को भव्य दीपोत्सव कर अयोध्या जैसे आनंद का माहौल अपने गांव में बनाएं।

मशहूर शास्त्रीय गायक संगीत की दुनिया के बादशाह उस्ताद राशिद अली खान का निधन

संवाददाता

बदायूं। संगीत के फैन के लिए दुख की खबर,, जाने माने संगीत के बादशाह उस्ताद राशिद अली खान का जन्म बदायूं में हुआ था इन्होंने बहुत से बंगाली गाने गाये जिनमें कुछ बहुत से पॉपुलर बॉलीवुड गाने तोरे बिना मोहे चैन नहीं ,आओगे जब तुम तो काफी पसंद किया जाता है हिंदी फिल्मों में कादंबरी ,शादी में जरूर आना , आदि में अपनी आवाज का जादू चलाया है इनका अंतिम संस्कार 10 जनवरी को कोलकाता में होगा इनके निधन की खबर सुनकर पूरी फिल्म इंडस्ट्रीज में दुख की लहर दौड़ गई वह लगभग एक माह से बीमार चल रहे थे इनका इलाज कोलकाता के एक निजी अस्पताल में चल रहा था पहले भी मुंबई के टाटा कैंसर अस्पताल में इलाज करवा चुके थे और यह एक भयंकर बीमारी प्रोटेस्ट कैंसर से पीड़ित थे इनकी आयु लगभग 56 वर्ष की थी उन्होंने हिंदी फिल्मों में जब वी मेट और माइ नेम इज खान जैसी फिल्मों में भी गाने गए जब वी मेट फिल्म में गया इनका गाना आओगे जब तुम बॉलीवुड के सदाबहार गीतों में शामिल किया जाता है इनके पिता का नाम हामिद रजा और माता का नाम शाकरी बेगम था बदायूं में भी इनके रिश्तेदार रहते हैं जिसमें इनकी बहन समन रजा ने इनके निधन की जानकारी दी इनका जन्म 1 जुलाई 1968 को बदायूँ हुआ था इन्होंने अनेकों राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किये जिसमें पदम श्री 2006 में एवं पद्म भूषण 2022 में प्राप्त किया था मुख्य रूप से रामपुर सहसवान के घराने से ताल्लुक रखते थे भारत सरकार द्वारा मिलने वाले पुरस्कार प्राप्त करने में पूर्व में भी आपके ही खानदान के उस्ताद मुस्ताक हुसैन का पदम भूषण, उस्ताद निसार हुसैन खान, पदम भूषण उस्ताद हाफिज अहमद , पदम श्री, उस्ताद गुलाम मुस्तफा , पद्म भूषण , उस्ताद गुलाम सादिक खान पदम श्री ,आदि लोग पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं

दबंगों द्वारा महिला के साथ की मारपीट की शिकायत डीएम व एसपी से थाना पुलिस द्वारा घटना की रिपोर्ट दर्ज न किये जाने का लगाया आरोप

संवाददाता

कालपी (जालौन)। चुर्खी थाना क्षेत्र के ग्राम सतराजू में दबंगों द्वारा महिला के साथ की गयी मारपीट के मामले की रिपोर्ट थाना पुलिस द्वारा दर्ज नहीं की गयी तो पीड़ित ने एसपी व डीएम को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई।चुर्खी थाना क्षेत्र के ग्राम सतरहजू निवासी सेवेन्द्र कुमार पुत्र स्व. वीरपाल दोहरे चुर्खी थाना ने आज बुधवार को डीएम व एसपी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसकी पत्नी अल्का को मारपीट करने का मुकदमा थाना पुलिस द्वारा दबंगों के खिलाफ नहीं लिखा गया।पीड़ित ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के यहा 05.जनवरी 2024 को एक प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर एसपी ने सीओ के यहा जाने के जाने को कहा था तब लगातार क्षेत्राधिकारी कालपी के पास गया पर वहा से भी कानूनी कार्य में व्यस्त होने की बात कहकर प्रार्थी को संतुष्ट किया गया पर अभी तक प्रार्थी की रिपोर्ट थाने में नही लिखी गई है। और अपराधियो के हौसले बुलंद है पीडित की पत्नी गर्भवती है जिसके साथ भी मारपीट की गई थी। प्रार्थी पुनः आपके पास अपना प्रार्थना पत्र देने आया है प्रार्थी बहुत गरीब है और बार बार आने में असमर्थ है। प्रार्थी को जो चोटे आयी उनकी डाक्टरी व प्रार्थी की पत्नी अल्का की डाक्टरी जाच कराकर अपराधियो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराये जाने की मांग उठाई है

ऑल इंडियन फेयर प्राईस शाप डीलर एसोसियेशन के नगर अध्यक्ष ज्योति प्रसाद बनाए गए

संवाददाता

कालपी जालौन। ऑल इंडिया फेयर प्राइस ऑफ़ शाप डीलर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय संगठन ने कालपी के ज्योति प्रसाद को नगर अध्यक्ष पद पर आसीन किया गया है। गौर तलब हो कि ऑल इंडिया फेयर प्राइस ऑफ़ शाप डीलर फेडरेशन के प्रांतीय पदाधिकारियों की बैठक आज दोपहर 12 बजे जनपद के रजिस्ट्री कार्यालय परिसर के छत के उपर संपन्न हुई। जिसमे संगठन के प्रांतीय पदाधिकारी सम्मलित हुए। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष जयदेव सिंह यादव तथा संगठन के वरिष्ठ पधाधिकारी के अनुमोदन पर उचित दर विक्रेता जनपद जालौन - तहसील कालपी के ज्योति प्रसाद निवासी हरीगंज को नगर अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। पदाधिकारियों ने नगर अध्यक्ष से अपेक्षा करते हुए कहा कि वो संगठन को कालपी क्षेत्र में मजबूत बनाने में अहम योगदान प्रदान करे। तथा जल्द से जल्द नगर कार्यकारणी सदस्यो की सूची गठित करे। तथा संगठन को तत्काल सूचित करे। नगर की कमान संभालते ही ज्योति प्रसाद ने करीब एक दर्जन कोटेदारो के साथ संगठन के सभी पदाधिकारियों का अपने निज निवास पर फूल माला पहना करतथा मिठाई खिला कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों में संगठन के संरक्षक रमाकांत रावत, महासचिव शिवपाल सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम कारन दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसिया चौबे, मीडिया प्रभारी सुशील शर्मा, कोटेदारो में वीर सिंह यादव,साकिर खान, राजेंद्र शुक्ला, जयप्रकाश, चंद्रकला बिश्नोई, नरेंद्र वर्मा, एहसान अंसारी, भुवनेश श्रीवास्तव प्रदीप गुप्ता संदीप पुरवार राम प्रकाश आशा देवी अशोक परिवार कल्पना वाल्मीकि, उपस्थिति रहें।

एक नज़र

ग्राम पंचायत सुजावली काफी दिन से टूटी पड़ी पुलिया

संवाददाता

सहसवान। आपको बता दें काफी वक्त से टूटी पड़ी पुलिया को लेकर वर्तमान प्रधान ब्रह्मचारी ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पुलिया के निर्माण की मांग की ग्राम पंचायत सुजावली में पुलिया के टूटने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन शिकायत करने के बावजूद नहीं हुआ कोई समाधान वर्तमान प्रधान ब्रह्मचारी का कहना है पुलिया को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत कर चुका लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी ने संज्ञा नहीं लिया जिससे ग्राम वासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जब के योगी सरकार गड्ढा मुक्त करने में लगी हुई है लेकिन बात यह है वह पुलिया पीडब्ल्यूडी में आती है अगर पीडब्ल्यूडी में आएगी तो क्या उसको बनाया नहीं जाएगा सिर्फ इसीलिए प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को दिया है के पुलिया का जल्द से जल्द निर्माण कराया जाए।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को रौंदा, तीन लोगों की मौत

हमीरपुर। कानपुर-सागर नेशनल हाईवे के नरायच-मवइया गांव के बीच बुधवार की तड़के मौदहा कस्बे के तीन युवकों की मौत सड़क हादसे में हो गई। तीनों युवक बाइक से महोबा जनपद के मवई गांव में किसी कार्यक्रम में डीजे बजाकर वापस लौट रहे थे। तभी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और फरार हो गया। पुलिस वाहन का पता लगाने में जुटी है। मौदहा कस्बे के इलाही तालाब पूर्वी तरौस मोहल्ला निवासी 28 वर्षीय आकाश, 25 वर्षीय रोहित श्रीवास और 17 वर्षीय शरीफुद्दीन उर्फ राजा पुत्र रमजानी महोबा जनपद के मवई गांव किसी कार्यक्रम में डीजे बजाने गए थे। तड़के सवा एक बजे के आसपास तीनों युवक बाइक में सवार होकर मौदहा को निकले थे। तभी मवइया और नरायच के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे राजा और रोहित की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल आकाश ने कानपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। एक साथ तीन युवकों की मौत से कोहराम मच गया। अभी तक इन युवकों की बाइक का भी कुछ अतापता नहीं चला है। संभावना जताई जा रही है कि टक्कर मारने वाले वाहन में बाइक फंस गई होगी। पुलिस ने तीनों युवकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वहीं पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला डिग्री कालेज में मतदाता जागरूकता को लेकर हुई चित्रकला प्रतियोगिता

हमीरपुर। मुख्यालय स्थित महिला डिग्री कालेज में बुधवार को आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन के मद्देनजर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कालेज के प्राचार्य डा.राजकुमार के संरक्षण में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम की कार्यक्रम अधिकारी डा.शालिनी तथा इकाई द्वितीय के कार्यक्रम अधिकारी लवकुश कुमार के संरक्षण में आयोजित इश प्रतियोगिता में छात्राओं ने मतदाता जागरूकता अभियान में अपनी चित्रकला के माध्यम से लोगों को आगामी लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए जागरूक किया। निर्णायक समिति में महाविद्यालय की डा.स्वाति गुप्ता तथा डा.ज्योति यादव ने विषय वस्तु एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर सिमरन श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, साक्षी निषाद को द्वितीय स्थान तथा संध्या निषाद को तृतीय स्थान दिया। इस मौके पर प्रतिभा करने वाली छात्राओं में अनन्या सिंह परिहार, ऐश्वर्या राजपूत, निधि साहू, सपना, निशा, रागिनी, सिमरन श्रीवास्तव, साक्षी निषाद, सोनाली आदि मुख्य रूप से शामिल हुई। इस जागरूकता अभियान में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक डा.सबा कौसर, डा.अशोक बाबू, मृदुलता सोनकर, नरेश कुमार, प्रतिमा चौहान, प्रतिभा तथा परिचारिका ज्ञानवती उपस्थित रही।

श्री राममन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के पूजित अक्षत झलोखर गांव में किए गए वितरित

हमीरपुर। विकासखण्ड कुरारा के झलोखर गांव में श्री राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा जनसंपर्क टीम द्वारा घर घर जाकर पीले अक्षत देकर 22 जनवरी को श्री राममन्दिर प्राण प्रतिष्ठा में अपने अपने घरों में भव्य दीपावली मनाने के लिए कहा गया। वहीं अपने आस पड़ोस के मंदिरों को सजावट के लिए बताया गया व महिला टीम द्वारा महिलाओं की जानकारी दी गयी। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के प्रत्येक मंदिरों में भव्य सजावट के साथ भजन कीर्तन होगा। वहीं झलोखर में अक्षत वितरण का कार्य बुधवार को समापन हो गया इस अक्षत वितरण टीम में अभिषेक त्रिपाठी, कालका प्रसाद, अखिलेश सिंह गौर, प्रियांशी, रागिनी, रजनी, आकांक्षा द्विवेदी, इर्शिता द्विवेदी, प्राची द्विवेदी, पिंकी, गोल्डी श्रीवास्तव, रामू द्विवेदी, नीरज द्विवेदी, सुशील द्विवेदी, शिवशंकर शिवहरे, सिप्पू गुप्ता एवं ग्रामवासी रहे।

थाना आटा पुलिस ने रुपये 25,000 के इनामिया वांछित अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ के दौरान किया गिरफ्तार

संवाददाता

जालौन। पुलिस अधीक्षक डॉ ईराज राजा जालौन के आदेश के अनुपालन में जनपद मे चलाए जा रहे हैं अपराध रोकथाम अभियान के तहत आज आटा थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में अपराध रोकथाम अभियान के क्रम में अपराध चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वाहन चोर लुटेरे एवं पतारसी सुरागरसी के दौरान मुखविर की सटीक सूचना पर आटा थाना में पंजीकृत अभियोग मु अ सं 205/2023 धारा 379/411 भा द वि व मु अ सं 211/23 धारा 307 भा द वि (पुलिस मुठभेड़) मे वांछित व 25000 / रूपये का इनामिया बदमाश मोनू वाल्मीकि पुत्र छोटे बाल मीक निवासी ग्राम टिकावली थाना चुर्खी जनपद जालौन को भदरेखी नहर पुलिया के पास सड़क किनारे ग्राम भदरेखी से 01 अदद अवैध तमन्चा 315 वोर व 02 अदद जिंदा कारतूस 315 वोर के साथ थाना आटा पुलिस थाना प्रभारी मय पुलिस टीम की सक्रियता के चलते गिरफ्तार किया गया और आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई।

बार एसोसिएशन के चुनाव में अतर सिंह शाक्य एडवोकेट अध्यक्ष और नरोत्तम सिंह यादव महासचिव हुए निर्वाचित

संवाददाता

सहसवान (बदायूं)। बार एसोसिएशन हुए वार्षिक चुनाव में अतर सिंह शाक्य एडवोकेट अध्यक्ष एवं निरोत्तम सिंह यादव महासचिव निर्वाचन घोषित किए गए। अध्यक्ष पद के लिए अतर सिंह शाक्य एडवोकेट ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी वरिष्ठ अधिवक्ता मुजफ्फर सईद एडवोकेट को पांच मतों से पराजित कर जीत दर्ज की अतर सिंह शाक्य को 56 मत मिले जबकि मुजफ्फर सईद को 51 मत मिले । महासचिव पद के लिए नरोत्तम सिंह ने बादाम सिंह को 37 मतों से पराजित कर दिया नरोत्तम सिंह को 72 तथा बादाम सिंह को 35 मत मिले नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अतर सिंह शाक्य तथा महासचिव नरोत्तम को अधिवक्ताओं ने फूल माला पहनकर तथा मिष्ठान खिलाकर उनका भव्य स्वागत किया तथा बधाई दी मतदान में 107 मतदाताओं ने भाग लिया। एल्डर कमेटी अध्यक्ष ठाकुर अनेक पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की बार एसोसिएशन वर्ष 2024 कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष एवं महासचिव पद के लिए बुधवार को मतदान हो गया जिसमें 107 सी ओ पी वाले मतदाताओं मतदाताओं ने भाग लिया शेष पद वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए सरफराज अली उर्फ नवेद सह सचिव पद के लिए सुदीप सक्सेना पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए सुशील कुमार सैनी कोषाध्यक्ष पद के लिए सोमवीर सिंह यादव के लिए पूर्व में ही निर्विरोध चुन लिया गया था। शेष अध्यक्ष एवं महासचिव पद पर दो-दो प्रत्याशी मैदान में आ जाने से मतदान बुधवार को बार एसोसिएशन कार्यालय पर प्रात 11:00 बजे से 3:00 बजे तक संपन्न हुआ तत्पश्चात मतगणना हुई जिसमें अध्यक्ष पद के लिए अतर सिंह शाक्य महासचिव पद के लिए नरोत्तम सिंह को निर्वाचित घोषित किया गया। बार एसोसिएशन नवनिर्वाचित अध्यक्ष अतर सिंह शाक्य महासचिव नरोत्तम सिंह के निर्वाचित होते ही अधिवक्ताओं ने फूल माला पहनाकर तथा मिष्ठान खिलाकर उनका भविष्य स्वागत किया तथा नवनिर्वाचित अधिवक्ताओं की सरकार सफलता के लिए बधाई दी। इस मौके पर अधिवक्ता रवींद्र नारायण सक्सेना राजा बाबू सक्सेना सुशील कुमार सैनी जितेंद्र सिंह यादव कलीमुरहमान नकवी प्रदीप कुमार चांडक रागिब अली शमशुल इस्लाम नेम सिंह यादव आसिम अली सहित अनेक अधिवक्ता गण उपस्थित थे

नशे की हालत में मिले परिचालक से एआरएम ने मांगा स्पष्टीकरण

हमीरपुर। बीते दिन मुख्यालय स्थित हमीरपुर डिपो परिसर में ड्यूटी जाने से पूर्व चालकों व परिचालकों की ब्रीथ एनालाइजर से हुई जांच में एक परिचालक नशे की हालत में पाया गया था। जिससे एआरएम ने स्पष्टीकरण मांगते हुए 24 घंटे के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। बीते छह जनवरी को हमीरपुर डिपो परिसर में समय व्यवस्थापक अब्दुल कादिर के द्वारा दस लोगों की ब्रीथ एनालाइजर से जांच की गई थी। जिसमें नियमित परिचालक अनिल कुमार शुक्ला नशे की हालत में मिला था। इसके साथ ही शेष अन्य चालक व परिचालक की स्थिति सामान्य मिली थी। नशे की हालत में मिले परिचालक अनिल कुमार शुक्ला से एआरएम राकेश कुमार पांडेय के द्वारा स्पष्टीकरण मांगा गया है। एआरएम ने बताया कि स्पष्टीकरण संतोषजनक न होने पर निलंबन की भी कार्रवाई की जाएगी।

प्रधान चतेला मोहम्मद आवेश खान ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी निराश्रितो को कंबल वितरित किए

संवाददाता

कदौरा/जालौन। कदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ा गांव में भीषण ठंड के चलते दर्जनों गरीबों को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रधान चतेला मोहम्मद आवेश खान मैं बड़े गांव के लोगों से मुलाकात की और इस वर्ष भी समाजसेवी मोहम्मद आवेश प्रधान चतेला ने सर्दी से पीड़ित वृद्धा महिला व पुरुषों को कंबल वितरित किए इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी भी मन के मोके पर मौजूद रहे कंबल पाते ही पीड़ित वृद्ध लोगों ने दिखाई मुस्कान वही बताया गया चतेला प्रधान मोहम्मद आवेश आए दिन लोगों की हर तरह से मदद करने को तैयार रहते हैं किसी न किसी तरह से यह लोगों को मदद पहुंचाते रहते हैं वहीं दूसरे दिन चतेला में भी बांटे गए दर्जनों कंबल वितरित किए गए।

विकशित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम का किया गया आयोजन

संवाददाता

बदायूं। सहसवान के ग्राम भवानीपुर खल्ली मे प्रधान पति- जमीर अहमद की उपस्थिति में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम का किया गया आयोजन। जिसमें शामिल हुए जिला उपाध्यक्ष श्री आतिफ निजामी बदायूं एवं मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सुभाष गुप्ता जी खंड विकास दहगवा सहायक विकास अधिकारी श्री रामोतार शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग दहगवा डा हसन मियां शिक्षा विभाग कृषि विभाग एवं सभी अधिकारी व कर्मचारी गढ़ ने प्रधानमंत्री की योजनाओं को बताते हुए संकल्प यात्रा मैं भाग लिया और बताया आज माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देशवासियों को मिल रहा है सम्मान आज सहसवान के ग्राम भवानीपुर खल्ली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मुख्य अतिथि श्री प्रमुख सुभाष गुप्ता जी ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं सैकड़ों की संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और विस्तार से योजनाओं का लाभ बताया साथ ही साथ गर्भवती महिलाओं की शिशु अन्नप्राशन संस्कार कराया तथा कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ दिलाने की बात कही इस दौरान मुख्य अतिथि श्री सुभाष गुप्ता जी जिला उपाध्यक्ष विशिष्ट अतिथि आतिफ निजामी जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा जिला मंत्री चौधरी पुत्तन आजाद सचिव नवीन कुमार रोजगार सेवक पंचायत सहायक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बी एल ओ भाजपा सदस्य मुजफ्फर अली करू बुत अध्यक्ष राजेश कुमार मोहम्मद खालिद ब्लॉक मंडल अध्यक्ष श्री मंडल अध्यक्ष ताराचंद बुत अध्यक्ष इस्लाम कुरैशी एवं भाजपा सभी कार्यकर्ताओं के साथ हजारों लोग मौजूद रहे।

विकसित यात्रा के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान बन चुका है: डीके भारद्वाज

संवाददाता

सहसवान(बदायूं)। विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में सहसवान में हुए, जिसमे डीके भारद्वाज ने अपने विचार रखते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारियों को विस्तार अवगत कराया। डीके भारद्वाज ने सहसवान के बिसौली इस्लामनगर स्टैंड में कहा मोदी की गारंटी वाली गाड़ी युवा शक्ति और नारी शक्ति दोनों को ही सशक्त कर रही है। इसका अधिक से अधिक लाभ आप सब लोग उठाएं और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं। यह विकसित भारत संकल्प यात्रा योजनाओं का लाभ पहुचाने के लिए शुरू की है। 'नमो ड्रोन दीदी' योजना महिलाओं को सशक्त और किसानों को समृद्ध बनाने में निर्णायक साबित हो रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा मण्डल संयोजक सचिन शर्मा ने कहा मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इस यात्रा का उद्देश्य वंचितों तक पहुंचना है, उन कमजोर लोगों तक पहुंचना है, जो विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हैं लेकिन अभी तक लाभ नहीं उठाया है। उसी के लिए यह यात्रा का आयी है। वही अनुज माहेश्वरी ने कहा कि मोदी सरकार केंद्र में जब से आई है तब से 256 योजनाएं निकाली गई हैं जिसको हर को किसी न किसी रूप में योजनो का हर व्यक्ति को लाभ मिला है मोदी सरकार गरीबों की सरकार है। इस कार्यक्रम में मौजूद रहे लोग भारत संकल्प यात्रा मण्डल संयोजक सचिन शर्मा ,अनुज महेश्वरी, हिमांशु महेश्वरी, अर्जुन पाटकर , बॉबी कोली, पुत्तन आजाद चौधरी, आकाश पुत्तन वाल्मीकि, देवेंद्र प्रजापति, अनुराग दीक्षित , आदर्श सक्सेना, सलमान हैदर, दीक्षा माहेश्वरी, सुभाष गौड़, अवढर शर्मा, मनीष माहेश्वरी, महेश शाक्य, पुरषोत्तम टाटा, अरविंद शर्मा, अनूप सिंह, राहुल शंखधार, विवेक राठी, हितेंद्र शंखधार, बहुत भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रही आदि जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

हिण्डाल्को रेणुकूट में सड़क सुरक्षा माह का जोरदार आगाज

❖ **कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता-जसबीर**

संवाददाता

रेणुकूट। हिण्डाल्को हमेशा से अपने कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सुरक्षा के प्रति जागरुक रहा है। फिर वो भले प्लांट के अंदर हो फिर बाहर। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हिण्डाल्को में प्लांट के अंदर काम करने से लेकर सड़क पर चलने के दौरान सख्त नियम तय किये गए हैं जिनका पालन करना नितांत आवश्यक है। इसी कड़ी में हिण्डाल्को ने सड़क सुरक्षा माह का जोरदार आगाज़ किया है जहां हिण्डाल्को के मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह ने सुरक्षा शपथ लेकर सुरक्षा जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जसबीर सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह मनाने का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को यातायात के नियमों का पालन करने हेतु जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अधिकतर मृत्यु सड़क दुर्घटनाओं से होती है। अपनी एवं अपने परिवार को दृष्टिगत रखते हुए हमेशा हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं। वहीं स्मेल्टर हेड श्री जे.पी. नायक ने कहा कि अधिकतर वाहन दुर्घटनाएं शराब पीकर वाहन चलाने, ओवरटेक करने, सीट बेल्ट का उपयोग ना करने, बिना हेलमेट के वाहन चलाने से होती है। इन बातों का ख्याल रख कर सड़क दुर्घटना से बचा जा सकता है। वहीं एल्युमिना हेड श्री एन. एन. रॉय ने कहा कि जब भी वाहन चलाएं तो वैध दस्तावेज अपने साथ अवश्य रखें और हे परिवार और अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाकर ही वाहन चलायें। नवागत सुरक्षा प्रमुख कर्नल रोहित शर्मा (सेनि.) ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह नागरिकों को यातायात के नियमों का पालन करवाने हेतु महत्वपूर्ण अभियान है। इसका उद्देश्य सड़क के नियमों का पालन करवाना है क्योंकि परिवार का जिम्मेदार व्यक्ति आजीविका उपार्जन के लिए घर से बाहर आना-जाना करते हैं। स्वयं की जिम्मेदारी है कि वह सावधानी रखें, हेलमेट पहनकर वाहन चलायें और यातायात के नियमों का पालन करें। उन्होंने बेहतर कार्यक्रम आयोजित करने पर सुरक्षा विभाग की टीम को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम अवसर पर उपस्थितजनों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक सिक्योरिटी विभाग के प्रबमधक मेजर देवेन्द्र ओंकार (सेनि.) ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिसमें जागरूकता रैली, जगह-जगह पर सड़क सुरक्षा संबंधित कार्यक्रम के माध्यम से यातायात के नियमों के बारे जागरूक करना, नुक्कड़ नाटक, ड्राइविंग सम्बंधित जानकारी, कर्मचारियों के लिए सड़क सुरक्षा ब्रीफिंग, स्पॉट क्विज, ड्राइवर के लिए नेत्र परीक्षण, सड़क सुरक्षा सम्बंधित सामग्री का वितरण, स्कूल के बच्चों के लिए ड्राइंग कॉम्पटीशन, स्लोगन, क्विज जैसी प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 जनवरी को अयोध्या आगमन की तैयारी युद्ध स्तर पर हुई तेज

भारत सरकार के सूचना प्रसारण सचिव ने अयोध्या में भ्रमण करके लिया तैयारियो का जायजा

❖ दूरदर्शन द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का होगा सजीव प्रसारण

संवाददाता

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 22 जनवरी को अयोध्या आगमन की सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर तेज कर दी गई है । इसी कड़ी में भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चन्द्रा द्वारा आज अयोध्या का श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी के आलोक में दूरदर्शन, आकाशवाणी आदि के प्रचार प्रसार के स्थलों के चिन्हांकन हेतु श्रीराम जन्मभूमि परिसर के नियंत्रण कक्ष में मण्डलायुक्त गौरव दयाल एवं अन्य वरिष्ठ सुरक्षा के अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक की गयी । इस अवसर पर प्रसार भारती सहित आकाशवाणी आदि केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के प्रतिनिधि, नगर निगम के अपर आयुक्त शशिभूषण राय सहित अपर महानिदेशक विजय कुमार, गार्गी मलिक निदेशक समाचार, आत्मप्रकाश मिश्र सहायक निदेशक कार्यक्रम, उपनिदेशक सूचना डा0 मुरलीधर सिंह सहित एक दर्जन से ज्यादा वरिष्ठ अधिकारी, मजिस्टेªट एवं पुलिस अधिकारी स्थानीय संजयधर द्विवेदी आदि उपस्थित थे। इस बैठक में मण्डलायुक्त ने उपनिदेशक सूचना को केन्द्रीय सरकार के तथा स्थानीय प्रतिनिधि संजयधर द्विवेदी एवं अनिल सिंह को निर्देश दिया कि आप लोग प्रस्तावित मीडिया सेन्टर एवं कार्यक्रम स्थल को पूरी टीम को भ्रमण करायें। इसके क्रम में केन्द्रीय सचिव द्वारा मंदिर परिसर का भ्रमण करके कैमरे आदि के स्थापना के सम्बंध में जानकारी ली गयी तथा केन्द्रीय सचिव द्वारा अपने भ्रमण के अगले चरण में अयोध्या में नवनिर्मित अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया सेन्टर एवं प्रेसक्लब का भी भ्रमण किया गया तथा यहां भी मीडिया सेन्टर बनाया जायेगा। इसी के क्रम में उपनिदेशक ने बताया कि इस मीडिया सेन्टर को दिनांक 16 जनवरी 2024 को वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिलाधिकारी सहित पत्रकारों की उपस्थिति में शुरू किया जायेगा और सचिव द्वारा अगले चरण में राम की पैड़ी एवं अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय का भी भ्रमण किया तथा यहां पर भी मीडिया को पूरी व्यवस्था करने हेतु निर्देश दिया। मौके पर आयुक्त गौरव दयाल के निर्देशानुसार निदेशक सूचना उ0प्र0 से वार्ता किया गया जिस पर यह निर्णय लिया गया है कि विगत भूमिपूजन कार्यक्रम 5 अगस्त 2020 एवं दीपोत्सव की तरह मीडिया सेन्टर बनाया जायेगा तथा इसकी शुरूआत भी दिनांक 16 जनवरी से की जायेगी। इसमें बाहर से मीडिया आने वाले तथा स्थानीय मीडिया आदि के मानकों एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार वही से पास आदि जारी किये जायेंगे तथा बाहर से आने वाले सभी पत्रकारों की सूची उत्तर प्रदेश सूचना निदेशालय मीडिया सेन्टर लोकभवन में तैयार की जायेगी तथा वहां से निदेशक/अपर सूचना निदेशक से अनुमोदन के बाद उनका पास लखनऊ में दिनांक 20 जनवरी 2024 तक उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे कि आने जाने में कोई दिक्कत न हों तथा रामजन्मभूमि परिसर का सजीव प्रसारण दूरदर्शन की टीम द्वारा जिसमें दूरदर्शन की टीम द्वारा किया जायेगा। इसमें यह भी हुआ कि इसकी बैठक जब एसपीजी के साथ होगी इसके निर्णय की जानकारी मीडिया को दी जायेगी। इसी क्रम में सचिव ने कहा कि केन्द्रीय और राज्य सरकार के मीडिया के अधिकारी बेहतर समन्वय से कार्य करें। यह राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है इसमें मीडिया के इकाईयों तथा दूरदर्शन आकाशवाणी और सूचना विभाग के साथ बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। इसके सम्बंध में 1-2 दिन में दिशा निर्देश जारी कर दिये जायेंगे इसलिए मीडिया बन्धुओं से अनुरोध है कि श्रीराम जन्मभूमि परिसर को छोड़कर सभी जगह कवरेज हो रहे है कोई भी मीडिया सहयोगी कवरेज कर सकता है तथा कोई रोक नही है लेकिन मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों आदि से समन्वय बनाकर कवरेज करें तथा स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि अपने अपने स्टेट हेड से अपनी सूची सूचना निदेशालय में जमा करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें, जिससे कि समय से कार्यवाहियां किया जा सके तथा उपनिदेशक सूचना डा मुरलीधर सिंह ने विगत कार्यक्रमों की तरह सहयोग की सभी मीडिया सहयोगियों से अपील की है।

अयोध्या में व्यापारियों ने विभिन्न मांगो से संबंधित ज्ञापन सौंपा

अयोध्या। अयोध्या में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अपनी कई मांगों को लेकर ज्ञापन दिया । इस अवसर पर व्यापारियों ने प्रशासन से मांग किया कि रामपथ पर फुटपाथ पर रेलिग लगाने के बजाय टेड़ीबाजार चौराहा से नयाघाट तक की सड़क को भक्तिपथ के तरीके डेवलप किया जाय जिससे सड़क को सीमित होने से बचाने के साथ मेले इत्यादि विशेष प्रायोजनो में भीड़ को चलने मे सुगमता बनी रहे एव फुटपाथ पर रेलिग लग जाने से ग्राहको को दुकानो तक पहुचने में परेशानी होगी जिससे उपरोक्त सड़क के व्यापारियो का व्यापार भी प्रभावित होगा। व्यापारियों ने कहा कि धार्मिक स्थल होने के नाते यहाँ की दुकाने कटरा टाइप की होने पर यात्रियो को खरीददारी मे आसानी होगी जैसा कि भक्तिपथ की दुकानो पर देखा जा सकती है। व्यापारियों ने कहा कि रामपथ के फुटपाथ पर लग रहे रेलिग को रोक लगाकर उपरोक्त सड़क को भक्तिपथ के तरीके डेवलप कराने की माग की गई है ।

एक नज़र

स्व.अविनाश कन्नौजिया ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

गोरखपुर। खजनी तहसील के नगर पंचायत उनवल के टेकवार चौराहा उनवल क्रिकेट टूर्नामेंट फाइनल मुकाबला दिनांक 10 जनवरी दिन बुधवार को वार्ड नंबर 1 बनाम सरया तिवारी के बीच 15 ओवर का खेला गया जिसमें वार्ड नंबर 1 ने 224 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जवाब में सरया तिवारी के तरफ से 182 रन बनाया गया । वार्ड नंबर एक लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम किया जयहिंद ने 56 रन की शानदार पारी खेली पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन पारी खेलने के कारण प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया । फाइनल मुकाबला उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संतोष राम त्रिपाठी , नवीन त्रिपाठी, आशुतोष शुक्ला, धरणीधर त्रिपाठी,अखिलेश त्रिपाठी, सूर्य प्रकाश पांडेय, गंगा शंकर, दिलीप कुमार, रामदुलारे, हरिश्चंद्र सचिन कुमार, उपस्थित रहे । कमेटी सदस्य-सर्वेश (सभासद), अरविंद (सभासद), मोनू दुबे, अवनीश यादव, मनोज, राजकमल, विकास, जयहिंद, सुहेल, अमित,इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी दिवस पर अवध विवि में व्याख्यान का आयोजन

हिंदी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय भाषा होने की क्षमता: डॉ0 जनार्दन उपाध्याय

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग तथा क्षेत्रीय भाषा केंद्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के सौजन्य से विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर ''वैश्विक पटल पर हिंदी के बढ़ते कदम'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य वक्ता का. सू. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ0 जनार्दन उपाध्याय ने हिंदी भाषा के वैश्विक स्वरूप की चर्चा करते हुए कहा की हिंदी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय भाषा होने की क्षमता है। किंतु क्षेत्रीय भाषाई लड़ाइयों ने इसमें अवरोध उत्पन्न कर रखा है। इसीलिए विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक होने के बाद भी विश्व भाषा की विधिक श्रेणी में आने का संघर्ष जारी है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमें यह समझने की आवश्यकता है कि अहिंदी भाषी होने का अर्थ हिंदी विरोधी होना नहीं है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत की भावनात्मक दूरी का परिणाम है भाषाई दूरी। यह सामाजिक विखंडन का भी बड़ा कारण है। भावों को सीमित करके असीमित विकास की संभावनाएं नहीं बनती हैं । कार्यक्रम में डॉ0 उपाध्याय ने चंद्रशेखर, इंदिरा गांधी, नरसिम्हा राव ,अटल बिहारी वाजपेई जैसे अनेक नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करते हुए इन नेताओं ने भाषा का प्रतिनिधित्व भी किया है और हिंदी को वैश्विक बनाने में बड़ा योगदान दिया है भारतीयों में भाषाई गर्व बढ़ाने की उपलब्धि भी हासिल की है जिससे विदेशी संपर्क और साहित्यिक सांस्कृतिक रुचि उत्पन्न हुई है और अनुवाद के माध्यम खोले हैं। इसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को पढ़ने समझने की रुचि बढ़ाई है। अत्यंत सरल और वैज्ञानिक भाषा होने के कारण इसे सीखना और बोलना आसान है। इसे अंतरराष्ट्रीय संपर्क भाषा के रूप में भी स्थापित किया जा सकता है क्योंकि यह विश्व की भाषाओं के मध्य आत्मिक संबंधों को दृढ़ करने का माध्यम और समरसता स्थापित करने का माध्यम भी हो सकती है। उन्होंने फिल्म ,पत्रकारिता ,तकनीकी और प्रवासियों के योगदान को भी सराहा है। कहा है कि विश्व में हिंदी को स्थापित करने में फिल्म जगत का विशेष योगदान है उन्होंने कहा अन्य विदेशी भाषाओं में बनने वाली फिल्में आज हिंदी में अनूदित होकर भारत के बाजार को प्रभावित कर रही हैं जिसमें भारतीय दर्शकों और हिंदी भाषी नागरिकों को लुभाने की क्षमता है, जो पूरे विश्व में फैले हुए हैं। भारत विश्व में अपार संभावनाओं से भरा है, जो हिंदी भाषियों से पटा पड़ा है। किंतु फिर भी क्षेत्रीय भाषाओं की आड़ में षड्यंत्र रचकर हिंदी को वैश्विक होने नहीं दिया गया। विश्व भाषा की विधिक श्रेणी में आने के लिए हमें इन बाधाओ से पार पाना ही होगा । कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रत्याशा मिश्रा ने किया।अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सुमन लाल ने किया। इस अवसर पर विभाग के समन्वयक डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, बीए समन्वयक डॉ0 डी .एन वर्मा, डॉ0 स्वाति डॉ0 प्रतिभा देवी, डॉ0 दिव्या वर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

अयोध्या में नगर विकास और ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने बैठक में दिया कड़े निर्देश

अयोध्या। भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठ महोत्सव की तैयारी बैठक में अयोध्या पहुंचे नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प भावना के अनुसार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम सब काम कर रहे हैं । उन्होने कहा कि वरिष्ठ मंत्री संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी की बैठक हुई है । उन्होने कहा कि अयोध्या में अच्छी व्यवस्था कैसे हो आने वालों का स्वागत कैसे हो, आवभगत करने की जो व्यवस्थाएं हैं उस पर चर्चा की गई जिससे कि अयोध्या धार्मिक नगरी में आने वालों को अच्छी अनुभूति हो । उन्होंने कहा कि अयोध्या की भव्यता और दिव्यता और बढ़कर निखरे और भगवान राम के प्रति जो देश के लोगों में श्रद्धा है । उन्होने कहा कि इस स्थान के बारे में यहां के सुविधाओं के बारे में उनके मन में आस्था और बढ़े, इस तरह का प्रयास किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अयोध्या आकर 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम की तैयारियो का लिया जायजा

संवाददाता

अयोध्या। भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी बैठक का जायजा उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अयोध्या आकर लिया । इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि अयोध्या धाम में प्रभु राम लला के दर्शन के लिए जो श्रद्धालु आने वाले हैं उनको सुविधाजनक ढंग से दर्शन कराने के लिए सारे इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनको कोई असुविधा न हो, उनके रहने के लिए, पेयजल की व्यवस्था, ठंड के बचाव के संसाधन, दवाइयो की कोई दिक्कत न हो ये सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए बैठक की जा रही है । उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम में पूरी तरह से प्रभु राम लला राम भक्तों को दर्शन देने के लिए तैयार हैं, सभी लोग सहयोग करके इस अयोध्या धाम को 22 जनवरी को लोकार्पण के अवसर पर और इसके बाद भी व्यवस्थित ढंग से करने के लिए अयोध्या तैयार है । उप मुख्यमंत्री श्री पाठक ने कहा कि सुरक्षा को लेकर सारे मानक तय कर दिए गए हैं, सब कुछ चाक चौबंद है, कहीं कोई दिक्कत नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के अयोध्या आने पर उप मुख्यमंत्री श्री पाठक ने कहा कि सभी राम भक्त जो भी राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या आते हैं उन सभी का स्वागत है, कहीं कोई दिक्कत नहीं है, प्रभु राम लला के मंदिर में हम सब का स्वागत करते हैं, यह भारत के लिए सनातन धर्म के लिए पूरी दुनिया के लिए यह खुशी का पर्व है, हम हंसी खुशी के साथ सबका स्वागत करते हैं, सब आए प्रभु राम लला का दर्शन करें और अपने जीवन में कल्याण का भाव अपनाने का काम करें । उन्होंने बताया कि अयोध्या में अतिरिक्त चिकित्सकों की तनाती की गई है, अतिरिक्त एंबुलेंस को भी तैनात किया गया है, मेडिकल कॉलेज से लेकर निजी अस्पताल का भी सहयोग ले रहे हैं।

अयोध्या आई गुजरात से 108 फीट अगरबत्ती

अयोध्या। अयोध्या में 108 फीट लंबी धूप बत्ती गुजरात से पहुंची । इस अवसर पर हजारों की सख्या में लोगों ने धूप बत्ती का किया स्वागत । जय श्री राम के लगाए नारे । बताया जाता है कि गुजरात के वडोदरा से 108 फींट लंबी धूपबत्ती लाई गई । इस 108 फींट लंबी धूपबत्ती से महकेगा अयोध्या का भव्य राम मंदिर का परिसर । अयोध्या में 22 जनवरी को श्री रामलला की होनी है प्राण प्रतिष्ठा, इसको लेकर देशभर में उल्लास । इस अवसर पर अयोध्या जनपद की सीमा रानीमऊ से ही हजारों की संख्या में जगह जगह लोगो ने इसका स्वागत किया । यह सिलसिला रौजागांव रुदौली लोहियापुल रामनगर धौरहरा मोहम्मदपुर सत्तीचौरा बसहा चौराहा कांटा चौराहा मुबारकगंज चौराहा अरकुना चौराहा अलीगंज चौराहा तहसीनपुर टोल प्लाजा सोहावल चौराहा मकसूमगंज कटरौली चिर्रा मोहम्मदपुर पूरा काशीनाथ कोटसराय सहादतगंज चौराहा समेत अयोध्या तक जगह जगह भारी संख्या में लोगो की मौजूदगी रही ।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अयोध्या में लिया तैयारियो का जायजा

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में 20 हजार लोगों के ठहरने के लिए भाजपा बनवायेगी टेंट सिटी । यह नव्य अयोध्या में आवास विकास परिषद द्वारा अग्रहित जमीन में बनाएगी टेंट सिटी । अयोध्या पहुंचे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी तैयारी तेज की जा रही है । भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी बैठक में अयोध्या पहुंचे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बैठक के पहले केंद्रीय नेतृत्व ने स्थलीय निरीक्षण किया है । उन्होने कहा कि कहां क्या समस्याएं आ सकती है क्या व्यवस्थाएं करनी है, इन सब पर चर्चा हुई है, 22 तारीख या उसके बाद लाखों श्रद्धालुओं के अयोध्या आने की संभावना है । उनको किसी प्रकार की असुविधा न हो, उनके लिए एक बेहतरीन व्यवस्था की जा रही है, उनके रहने के लिए खाने के लिए, दर्शन के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था की जा रही है । इस अवसर पर सभी बिंदुओं पर बारीकी से चर्चा की गई है और अतिरिक्त रूप से 20 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आवास विकास द्वारा अधीग्रहित जमीन पर ठहरने की व्यवस्था की जा रही है।

पूर्व विधायक जितेन्द्र सिंह बब्लू ने हजारों लोगो से की मुलाकात और किया सम्मानित

परहित सरिस धरम नहिं भाई पर पीड़ा सम नहिं अधमाई

संवाददाता

अयोध्या। आज अयोध्या जनपद के अति पिछड़ा वर्ग के हज़ारों भाइयों, पितातुल्य बुजुर्गो और माताओं को अपने कॉलेज पर बुलाकर उनका कुशलक्षेम जानकर उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण करते हुए उनके साथ सदैव एक भाई और एक बेटे के रूप में खड़े होकर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाकर पूर्व विधायक जितेन्द्र सिंह ÷बब्लू भैया÷ ने सभी को जैकेट वितरण किया । आये हुए सभी लोगों ने भी अपना हाथ खड़ा करके पूर्व विधायक बब्लू सिंह को अपना भाई स्वीकारते हुए हर परिस्थित में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया । आज मोस्ट बैकवर्ड (कहार, लोहार, बढई, चौरसिया, मौर्या)का कार्यक्रम पूर्व विधायक जितेन्द्र सिंह बब्लू ने अपने विद्यालय कोटसराय मे किया जिसमे नास्ता व जैकेट वितरण हुआ ।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अयोध्या में लिया तैयारियो का जायजा

अयोध्या। अयोध्या में 20 हजार लोगों के ठहरने के लिए भाजपा बनवायेगी टेंट सिटी । यह नव्य अयोध्या में आवास विकास परिषद द्वारा अग्रहित जमीन में बनाएगी टेंट सिटी । अयोध्या पहुंचे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी तैयारी तेज की जा रही है । भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी बैठक में अयोध्या पहुंचे पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बैठक के पहले केंद्रीय नेतृत्व ने स्थलीय निरीक्षण किया है । उन्होने कहा कि कहां क्या समस्याएं आ सकती है क्या व्यवस्थाएं करनी है, इन सब पर चर्चा हुई है, 22 तारीख या उसके बाद लाखों श्रद्धालुओं के अयोध्या आने की संभावना है । उनको किसी प्रकार की असुविधा न हो, उनके लिए एक बेहतरीन व्यवस्था की जा रही है, उनके रहने के लिए खाने के लिए, दर्शन के लिए पार्किंग की भी व्यवस्था की जा रही है ।

रालोद कार्यकर्ताओं ने किया उप गन्ना आयुक्त कार्यालय का घेराव

संवाददाता

अयोध्या। गन्ना किसानों की मांगों को लेकर उपगन्ना आयुक्त कार्यालय पर राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ताओं, किसानों द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक मायाराम वर्मा की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन कर गन्ना आयुक्त लखनऊ को संबोधित 6 सूत्रीय मांग धरना स्थल पर पहुंचे उपगन्ना आयुक्त संजय गुप्ता को सौंपा । धरना स्थल पर ही उपगन्ना आयुक्त संजय गुप्ता, जिला गन्ना अधिकारी हुदा सिद्दीकी, सचिव अयोध्या सुनील वर्मा, मुख्य गन्ना प्रबंधक के एम सुगर मिल मसौधा सुनील कुमार चौहान के साथ बैठकर बिंदवार चर्चा हुई जिसमें कई समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया गया । नैनो यूरिया रासायनिक खाद जो समिति द्वारा किसान को दी जा रही है किसानों को रसीद देने का निर्देश समिति के सचिवों को दिया गया है। जिन भी सेन्टरो पर गन्ना उतरवायी के नाम पर किसानों से पैसा वसूली की जा रही है उसपर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जिला गन्ना अधिकारी को उपगन्ना आयुक्त ने दिया है गन्ना सचिव मसौधा मुकेश कुमार को तत्काल हटाने की जिद पर जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन मिला है । धरना प्रदर्शन को राष्ट्रीय लोकदल अवध जोन के अध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल,राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष बलराम यादव , पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमला प्रसाद बागी, धर्मराज पटेल, स्वामीनाथ वर्मा, अशोक कुमार, राम जी राम अध्यक्ष किसान सभा ने संबोधित किया । इस मौके पर बेचू लाल कोरी, नेतराम वर्मा सुरजीत वर्मा राम जियावान वर्मा राजू वर्मा, उमाकांत विश्वकर्मा, भोजराज वर्मा ,अनिल वर्मा, मायाराम वर्मा मास्टर , धनीराम यादव, करिया राम वर्मा, रामप्रसाद कोरी, उमाशंकर वर्मा , शैलेंद्र प्रताप सिंह, समेत सैकड़ों समर्थक उपस्थित रहे ।

अक्षत वितरण अभियान में श्री राम भक्तों को आमंत्रित किया

संवाददाता

गोरखपुर। नगर पंचायत उनवल के टेकवार चौराहे पर संतोष राम त्रिपाठी के नेतृत्व में आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राणप्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में टेकवार चौराहे पर सभी दुकानों को अक्षत और पत्रक वितरण किया गया, इस संपर्क अभियान में सभी दुकानों में पहुंच कर अक्षत और पत्रक देते हुए 22 जनवरी को अपने-अपने घरों में 51 दीप जलाकर भगवान श्रीराम की प्रतिस्थापना का उत्सव मनाने की अपील की गई। उक्त अवसर पर संतोष राम त्रिपाठी, इन्द्र कुमार निगम, योगेश वर्मा, जगदीश गुप्ता, रवींद्र मद्धेशिया, अवधेश गुप्ता,अवधेश मिश्रा इत्यादि लोग मौजूद रहे।

अवध विवि में ग्रामीण उद्यमिता पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

खादी आज हर व्यक्ति की पहचान बनी: निदेशक नितेश

❖ खादी पारंपरिक वेश भूषा से लेकर अनेक उत्पादों का केन्द्र: प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह।

संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में व्यवसाय प्रबन्ध एवं उद्यमिता विभाग एवं खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग भारत सरकार के संयुक्त संयोजन में ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु एक दिवसीय संगोष्ठी का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग के निदेशक नितेश धवन ने ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए खादी के उत्पादों को जनजन तक पहुॅचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खादी आज हर व्यक्ति की पहचान बन चुकी है। सभी इसे अपने आय के सामर्थ ले भी रहे है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में खादी के नवीन एवं आधुनिक उत्पाद लोगो की पहली पसन्द बन रहे है। विद्यार्थियों द्वारा नवीन उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। इससे युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही आधुनिकतम तकनीक से नये उत्पादों को सस्ते में उत्पादित भी किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि खादी पारंपरिक वेश भूषा से लेकर अनेक ऐसे उत्पादों का केन्द्र है। इससे उपभोक्ताओं के जीवन में अमूल चूल परिवर्तन ला सकते है। उन्होंने कहा कि कम कीमत में आधुनिकतम सेवा का सुनहरा अवसर केवल खादी के उत्पादों में है। जो इसकी रोचकता को और बढ़ा देती है। कार्यक्रम के मुख्या वक्ता प्रो0 अनिल सिंह कुलानुशासक का0सु0 साकेत महाविद्यालय अयोध्या ने बताया कि खादी एवं ग्रामीण उद्यमिता हमारे सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने में अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि खादी एक विचार, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग है। प्रो0 राणा रोहित सिंह ने बताया कि खादी को राष्ट्र की उन्नति एवं विकास का प्रमुख अंग है। विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामीण उद्यमिता के प्रति चल रहे विभिन्न आयोजनों से मिल रही आकर्षक सरकारी योजनाओं को जानना चाहिये । इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के मध्य वाद विवाद प्रतियोगित हुई जिसमें रचित मिश्रा, अमृता सिंह, एवं आर्यन विजयी रहे। वहीं निबंध प्रतियोगिता में वत्सला, सुहानी, आंचल व कोमल वर्मा विजयी रही। इन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 आशीष पटेल, डॉ0 श्रीष अस्थाना, डॉ0 निमिष मिश्रा, डॉ0 योगेश दीक्षित, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 सूरज सिंह, डॉ0 राकेश कुमार, डॉ0 कपिल देव, कीर्तिमान ओझा, आशाराम, संतराम सहित अन्य मौजदू रहे।

शिवम दुबे के ऑलराउंड शो से जीता भारत

पहले टी20 मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का आगाज गुरुवार 11 जनवरी से हुआ। तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच मोहाली में खेला गया। भारत ने 6 विकेट से अफगानिस्तान को हराकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। शिवम दुबे ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। मुजीब-उर-रहमान को दो विकेट मिले।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच भारत 6 विकेट से जीता। इस जीत के साथ भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपना अजेय रिकार्ड जारी रखा। भारत की जीत के हीरो आलराउंडर शिवम दुबे रहे। शिवम दुबे ने पहले गेंदबाजी करते हुए 1 विकेट झटका, वहीं बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 60 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और पारी की दूसरी गेंद पर रोहित शर्मा रन आउट हो गए। रोहित बिना खाता खोले लौट गए। शुभमन गिल और तिलक वर्मा ने तेज बल्लेबाजी की। शुभमन ने 12 गेंद पर 5 चौके लगाकर 23 रन बनाए, वहीं तिलक वर्मा ने 22 गेंद में 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 26 रन बनाए।

शुभमन को चौथे ओवर में मुजीब-उर-रहमान ने गुरबाज के हाथों स्टंप आउट करवाया। वहीं, तिलक वर्मा को नौवें ओवर में अजमतुल्लाह ने गुलबदीन के हाथों कैच आउट करवाया। मैच के 14वें ओवर में जितेश शर्मा को मुजीब उर रहमान ने इब्राहिम के हाथों कैच आउट करवाया। जितेश शर्मा 20 गेंद में 5 चौकों की मदद से 31 रन बनाए।

शिवम दुबे ने 40 गेंद में 2 छक्कों और 5 चौके की मदद से 60 रन बनाकर और रिंकू सिंह ने 9 गेंद में 2 चौके लगाकर 16 रन बनाए और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। अफगानिस्तान की तरफ से मुजीब-उर-रहमान ने 2 विकेट लिए।

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की तरफ से रहमानुल्लाह गुरबाज और कप्तान इब्राहिम जादरान ने टीम को अच्छी शुरूआत दी और टीम के लिए 50 रन जोड़े। गुरबाज 28 गेंद पर 23 रन बनाकर आउट हुए, कप्तान इब्राहिम जादरान (25) भी लंबी पारी नहीं खेल सके।

मोहम्मद नबी ने 27 गेंद में 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 42 रन बनाए। नजीबुल्लाह जादरान ने 11 गेंद में 4 चौके लगाकर 19 और करीम जनत ने 5 गेंद में 9 रन मारकर टीम के स्कोर को पांच विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। भारत की तरफ से मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिए।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड खेलने को तैयार है सरकार की मंजूरी का इंतिजार

एजेंसी

कराची। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले काफी समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। पिछली बार दोनों टीमों के बीच 2012-13 में द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। इसके बाद से दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों ने केवल आईसीसी और एशियन क्रिकेट कार्उंसिल (एसीसी) के टूर्नामेंट्स में ही एक दूसरे का सामना किया है। यह एक ऐसा मैच है जो दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक विशेष महत्व रखता है। जब भी भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें भिड़ती हैं, स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा होता है और अलग ही वातावरण होता है। हालांकि, पिछले काफी समय से दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव की वजह से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। तैयार हैं। बस सरकार से मंजूरी मिलने की देरी है। इस बयान के बाद बीसीसीआई की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सितंबर 2023 में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा था कि बीसीसीआई 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक दिलचस्प बयान दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ने अशरफ के हवाले से कहा, जहां तक भारत-पाकिस्तान सीरीज का सवाल है तो दोनों बोर्ड एक दूसरे के साथ खेलने के लिए ने पहले फैसला किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज तब तक नहीं होगी जब तक कि पाकिस्तान आतंकवाद को समाप्त नहीं करता है। अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था, बीसीसीआई ने बहुत पहले फैसला किया था कि हम पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय मैच नहीं खेलेंगे जब तक कि वे आतंकवाद, सीमा पार हमलों और घुसपैठ को समाप्त नहीं करते। मुझे लगता है कि देश और जनता की भावनाएं भी समान हैं।

बच्चे पर अत्यधिक दबाव डालने के होते हैं कई नुकसान

हर अभिभावक चाहता है कि उसका बच्चा परीक्षा से लेकर डांस, स्पोर्ट्स, म्यूजिक, मार्शल आर्ट... हर चीज में अच्छा प्रदर्शन करे। लेकिन, ऐसा भला कैसे संभव है? बच्चों पर हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव डालकर हम अभिभावक कम उम्र में उन्हें तनाव का शिकार बना रहे हैं। अगर आप चाहती हैं कि बच्चा सुपरहिट बने, तो पहले खुद सुपर पेरेंट्स बनें।

कहीं ऐसा तो नहीं कि आप अपने नौनिहाल की मानसिक अवस्था से अनभिज्ञ हों? कहीं आप यह तो नहीं सोचतीं कि बच्चों को तो केवल स्कूल में मौज-मस्ती करनी होती है, जबकि आप ऑफिस में काम के अत्यधिक दबाव में रहती हैं? यदि आप का जवाब हां है तो आप पूरी तरह से गलत हैं। आज के समय में सिर्फ बड़े ही नहीं, बच्चे भी तनाव में रहते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार, 'जरूरत से ज्यादा आशाएं, ज्यादा उम्मीदें और अत्यधिक चिंताएं बच्चों में तनाव की खास वजह हैं। वहीं आत्मसम्मान की जंग बच्चों का शानदार प्रदर्शन आज के समय का अनिवार्य मानक बन चुका है। इस प्रेशर के कारण जब बच्चे बेहतरीन प्रदर्शन नहीं कर पाते, तब भावनात्मक सपोर्ट की कमी और अभिभावक का स्वभाव उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस वजह से कई बच्चे कुछ ऐसा कदम भी उठा लेते हैं, जो उन्हें नहीं उठाना चाहिए। पूरी नींद न लेना बेहतरीन कॉलेजों और संस्थानों में दाखिले का तनाव या अच्छे नंबर लाने के दबाव के कारण बच्चे देर रात तक पढ़ाई करते हैं और परिणामस्वरूप वे पर्याप्त नींद न मिलने के कारण मानसिक अवसाद से ग्रस्त हो जाते हैं। नींद की कमी का असर उनकी शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत पर पड़ता है।

दर्द को अनदेखा करना जिंदगी की अनिश्चितता, वर्तमान में संघर्ष और बिखरा हुआ भविष्य छात्रों या बच्चों को बिल्कुल तोड़ देता है। कक्षा में प्रथम आने से लेकर सांस्कृतिक और कलात्मक क्रिया-कलापों में सक्रिय रहने का दबाव छात्रों से उनकी नैसर्गिक प्रतिभा छीन लेता है। नकल की आशंका जब ध्यान उपलब्धि पर होता है तो सीखने के बजाय बच्चे सफलता प्राप्त करने के लिए आसान रास्ते की तलाश करते हैं। चाहे वह छोटा बच्चा हो या बड़ा, वह नकल करने में कोई बुराई नहीं समझता, भले ही नकल की कॉपी को खरीदना ही क्यों न पड़ जाए। आत्महत्या का खतरा पढ़ाई जरूरी है, लेकिन पढ़ाई के नाम पर बच्चे को मशीन बना देना गलत है। बच्चों को जिस एक चीज से आजकल सबसे अधिक डर लगता है, वह है नाकामयाब होने का डर। आपकी उम्मीदों को पूरा नहीं करने का डर उन्हें कुछ गलत कदम उठाने पर भी मजबूर कर सकता है। इसलिए अपने बच्चे पर अधिक जवाब न बनाएं।

नेचर लवर हैं तो घूमने के लिए जरूर जाएं 'पोखरा'

ट्रैवलिंग के शौकीन लोगों को ज्यादातर पहाड़, वॉटरफॉल और खूबसूरत झीलें देखना बहुत पसंद होता है। आज हम आपको ऐसे एक शहर के बारे में बताने जा रहें है, जिसे 'झीलों की नगरी' कहा जाता है। हम बात कर रहे हैं प्राकृतिक नजारों से भरपूर नेपाल के 'पोखरा' वैली की, जहां आप अपने परिवार के साथ पूरी एंजॉय कर सकते है। झीलों और वॉटरफॉल के साथ-साथ आप यहां के खूबसूरती गांव भी देख सकते हैं।

बेगनस झील: नेपाल की तीसरी और पोखरा की दूसरी सबसे बड़ी बेगनास लेक का साफ पानी और शांत वातावरण को टूरिस्ट को अपनी तरफ खींचता है। इतना ही नहीं, इस झील के आस-पास कऊी रिजॉर्ट्स भी बने हैं, जहां आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

डेवी वॉटरफॉल: पोखरा के इस वॉटरफॉल को काफी रहस्मयी माना जाता है। दरअसल, इस झरनें का पानी किसी नदी या लैगून में नहीं बल्कि वह गुफाओं से गुजरने से पहले एक डार्क होल में गिरता है, जिसके कारण इसे रहस्मयी माना जाता है। यही वजह है कि टूरिस्ट भी इस झरनें की तरफ खींचे चले आते हैं।

फेवा झील: पोखरा की सबसे फेमस फेवा झील में आप बोटिंग का मजा भी ले सकते हैं। बोटिंग करने के साथ आप खूबसूरत पहाड़ों को देख सकते हैं। खास बात तो यह है कि इस झील का पानी कांच की तरह बिल्कुल साफ है।

सारंगकोट: नदी किनारे बसे इस चोटे से पहाड़ी गांव में आप हर तरह फैली अद्भुत प्राकृति का मजा ले सकते हैं। इसके अलावा यहां की वाइल्डलाइफ भी काफी मशहूर है। यहां आपको प्रकृति के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं।

पोखरा शांति स्तूप: 'पोखरा शांति स्तूप' पेहवा के ऊपर एक संकरी चोटी के ऊपर गिरा हुआ चमचमाता सफेद विश्व शांति शिवालय है। इस स्तूप तक पहुंचने के तीन अलग-अलग रास्ते हैं, नांव, जंगल सैर और लंबी पैदल यात्रा। हालांकि लोग नांव के जरिए यहां जाना पसंद करते हैं क्योंकि नदी के रास्ते में पोखरा घाटी के शानदार नजारे देखने को मिलते हैं।

मोटापे के खतरे को कम करेगी ग्रीन टी

ग्रीन टी पीने से मोटापे का खतरा कम होता है। साथ ही तबीयत बिगाड़ने वाले अन्य कारकों को खत्म करने में भी ग्रीन टी सहायक है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है। पत्रिका न्यूट्रिशनल बॉयोकेमेस्ट्री में प्रकाशित शोध के अनुसार ग्रीन टी का सेवन करने से वजन कम करने में मदद मिलती है। वैज्ञानिकों ने एक चूहे पर अध्ययन किया। एक चूहे को खाने में दो फीसदी ग्रीन टी दी गई। इस दौरान पाया गया कि ग्रीन टी नहीं लेने वाले चूहों की तुलना में यह चूहा ज्यादा स्वस्थ था और उसके वजन में भी निरंतर रूप से कमी आई। इस शोध के परिणाम से उत्साहित वैज्ञानिक डायबिटीज और हृदय रोगों में ग्रीन टी के फायदों के बारे में पड़ताल करेंगे। शोध के दौरान पाया गया कि ग्रीन टी का सेवन करने वाले चूहों की आंतों में किसी भी तरह की समस्या नहीं हुई। साथ ही उनकी आंतों में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ी, जो पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही आंतों की दीवारों में लीकेज की समस्या भी दूर हुई। अमेरिकी ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता रिचर्ड ब्रून्नो ने बताया कि ग्रीन टी आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देकर पाचन प्रक्रिया का दुरुस्त करती है जिससे मोटापे के खतरे में कमी आती है। ब्रून्नो ने बताया, कुछ लोग ग्रीन टी को वजन घटाने में सहायक बताते हैं तो वहीं कुछ वैज्ञानिक इससे सहमत नहीं हैं। हमने इस शोध में यह जानने की कोशिश की कि ग्रीन टी वजन को बढ़ने से कैसे रोकती है। ग्रीन टी में केटचिन्स होते हैं, जो सूजन को कम करने, कैंसर को रोकने और हृदय व लीवर संबंधी समस्याओं को दूर करने में सहायक है।

स्टाइलिश दिखने के लिए जैकेट नहीं अब पहनें शैकेट

पिछले कुछ समय से डेनिम काफी टेंड में है। इसकी खासियत यह है कि हर उम्र के युवा पर फबता है। डेनिम के बढ़ते क्रेज को देखकर ही आजकल डेनिम शर्ट जैकेट काफी चलन में है। आप डेनिम शर्ट जैकेट को व्हाइट टी या पोलो शर्ट के साथ पेयर करें। अक्सर लोग स्टाइलिश दिखने के लिए जैकेट पहनते हैं। लेकिन अब जैकेट का स्टाइल काफी पुराना हो गया है, आजकल शैकेट का स्टाइल काफी चलन में है। अब आप यह सोच रहे होंगे कि यह शैकेट क्या है? तो हम आपको बता दें कि शैकेट का अर्थ है शर्ट जैकेट। शर्ट की तरह दिखने वाली यह जैकेट हर उम्र के पुरूष पर फबती है। तो चलिए जानते हैं कई तरह की शर्ट जैकेट और उसके स्टाइलिंग के बारे में-

मिलिटी शर्ट जैकेट: मिलिटी शर्ट जैकेट खाकी व ग्रीन कलर में काफी पॉपुलर है। इसे आप टेलर्ड टैकपैंट से लेकर व्हाइट लेदर टेनर्स के साथ टीमअप कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह टीशर्ट के साथ-साथ शर्ट के उपर भी काफी जंचता है। चूंकि मिलिटी शर्ट जैकेट के कलर्स काफी अलग होते हैं, इसलिए जब भी आप इसे पहनें तो एक ही कलर को न पहनें। मसलन, अगर आप ग्रीन मिलिटी स्टाइल शर्ट जैकेट पहन रहे हैं तो इसे नैवी या ग्रे चिनोज के साथ पहनना अच्छा विचार हो सकता है।

डेनिम शर्ट जैकेट: पिछले कुछ समय से डेनिम काफी टेंड में है। इसकी खासियत यह है कि हर उम्र के युवा पर फबता है। डेनिम के बढ़ते क्रेज को देखकर ही आजकल डेनिम शर्ट जैकेट काफी चलन में है। आप डेनिम शर्ट जैकेट को व्हाइट टी या पोलो शर्ट के साथ पेयर करें। चूंकि आजकल डबल डेनिम लुक भी काफी पसंद किया जा रहा है तो आप डेनिम शर्ट जैकेट के साथ डेनिम जींस पहनें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि दोनों के शेड्स में थोड़ा फर्क अवश्य हो। मसलन, लाइट कलर डेनिम शर्ट जैकेट पहन रहे हैं तो जींस का कलर थोड़ा डार्क होना चाहिए।

आउटडोर शर्ट जैकेट: लाइक्रा और नाइलॉन फैब्रिक की मदद से बनी आउटडोर शर्ट जैकेट काफी हद तक स्पोर्टसवियर की तरह डिजाइन की जाती है। यह बोल्ड व न्यूटल दोनों तरह के कलर में अवेलेबल है। ऐसे में आप मौसम में अनुरूप इन्हें चुन सकते हैं। आउटडोर शर्ट जैकेट में कोबेल्ट ब्लू और चेरी रेड को औरेंज, ग्रीन व नेवी के साथ मिक्सअप पहन सकते हैं।

विटेंज स्वैड शर्ट जैकेट: विटेंज स्वैड शर्ट जैकेट में टैन व चॉकलेट ब्राउन कलर को काफी पसंद किया जाता है। इस शर्ट जैकेट की सिंपलिसिटी ही उसकी वास्तविक खूबी है। आप इस शर्ट जैकेट को ऑफिस से लेकर केजुअल लुक में आसानी से पहन सकते हैं। इसे सिंपल टी और स्किनी फिटेड जींस के साथ पहन सकते हैं।

नाश्ते में बनाएं स्टफड इडली

आपने सांभर इटली तो खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी स्टफ इटली खाई है। आज हम आपको बताएंगे रेसिपी

सामग्री: चौथाई कप दही, चौथाई कप सूजी, 1/2 चम्मच नमक, 1 चम्मच ईनो, चौथाई कप पानी, एक चम्मच तेल, आधा चम्मच राई, चौथाई चम्मच जीरा, चौथाई चम्मच सौंफ, एक चम्मच साबुत धनिया, बारीक कटी प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, हल्दी, हींग उबले आलू, मटर, धनियापत्ती, नींबू का रस।

विधि: सबसे पहले सूजी, दही और नमक का पेस्ट बना लें। इसे 15 मिनट के लिए ढककर रख दें। इसके बाद पैन में तेल गर्म करके राई, जीरा, सौंफ, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग और साबुत धनिया डालकर और प्याज हल्का भून लें। इनके भूनने के बाद आलू, मटर और धनियापत्ती और नींबू का रस इसमें मिला लें। स्टफिंग को ठंडा होने दें। अब इडली के पेस्ट में पानी और ईनो डालकर अच्छे फेंटें। अब इटली के स्टेंड में इस पेस्ट को डालें और पकने दें। अब इडली को बीच में से काटकर इसमें स्टफिंग भर दें।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।